MUMBAI TARANG ™

www.mumbaitarang.com

मुंबई तरंग

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

लोग हमारे बारे में क्या सोचते है? अगर ये भी हम सोचेंगे तो फिर लोग क्या सोचेंगे?

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-25 ❖ मुंबई ❖ रविवार 13 से 19 जून 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

मुंबई में भारी बारिश से जलमग्न हुई सड़कें, जानें कैसा रहेगा मौसम

पेज 5

धारा 370 बहाल करेगी कांग्रेस...दिग्विजय सिंह का क्लब हाउस चैट वायरल, BJP बोली-पाक भी तो यही चाहता

पेज 7
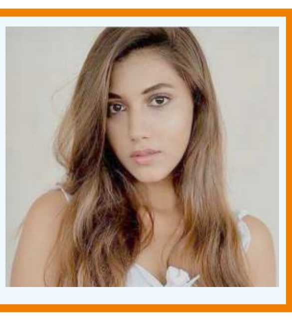
रेप केस में एक्टर पर्ल वी पुरी को मिली जमानत, 'नागिन 3' फेम करिश्मा तन्ना ने दी जानकारी

पेज 8

पुना अग्नि दुर्घटना एवं बंगाल की बिजली दुर्घटना से पीड़ित परिवारों को मोरारी बापू द्वारा सहायता

क्या महाराष्ट्र की राजनीति में कोई बड़ा उलटफेर होने वाला है?

मुंबई, 13 जून: महाराष्ट्र में सत्ताधारी गठबंधन की राजनीति में अंदर ही अंदर उथल-पुथल मचने के संकेत मिल रहे हैं। विधानसभा चुनाव कोसों दूर है, लेकिन प्रदेश कांग्रेस के नेता अभी से मुख्यमंत्री पद की दावेदारी ठोक रहे हैं। उधर शरद पवार और प्रशांत किशोर की मुलाकात की सही तस्वीर भी अभी तक सामने नहीं आई है। जबकि, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और पार्टी के नेता संजय राउत का हालिया बयान भी कहीं न कहीं गठबंधन के नेताओं के मन में आशंकाओं को जन्म दे रहा है। सवाल है कि महाराष्ट्र की राजनीति में आने वाले समय में कोई बड़ा उलटफेर तो नहीं होने जा रहा है? मुख्यमंत्री के पद पर पटोले का मन डोला ! महाराष्ट्र की सत्ताधारी गठबंधन महा विकास अघाड़ी के नेताओं ने हाल के तीन-चार दिनों में जिस तरह की उलटबयानी की है, उससे तो यही लगता है कि वहां शिवसेना-एनसीपी और कांग्रेस के बीच तालमेल का पूरी तरह से अभाव है। तीनों दलों के नेताओं के बयान और ऐक्शन विरोधाभासी नजर आ रहे हैं। पहले से अपने उल्टे-सीधे बयानों के लेकर चर्चा में रहने वाले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने अब एक तरह से खुद को अगले मुख्यमंत्री के दावेदार के तौर पर पेश कर दिया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शनिवार को कहा है, 'मैं प्रदेश का कांग्रेस चीफ हूं। मैं पार्टी के विचार को सामने रखूंगा। मैं नहीं जानता कि उन्होंने (शरद पवार) क्या कहा है, लेकिन कांग्रेस ने यह पूरी तरह से साफ कर दिया है कि हम स्थानीय निकाय के चुनावों और विधानसभा चुनावों में अकेले लड़ेंगे। क्या आप लोग नाना पटोले को सीएम नहीं बनाना चाहते ?' क्या पवार से मायूस हो चुकी है कांग्रेस ? असल में शुक्रवार को एनसीपी कार्यकर्ताओं के सामने पार्टी सुप्रीमों शरद पवार ने शिवसेना की खूब सराहना की थी। हाल में पीएम मोदी से मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की मुलाकात और शिवसेना नेता संजय राउत के बयानों से पैदा हुई नई राजनीतिक सुगबुगाहट के बीच पवार ने कह दिया था कि शिवसेना ऐसी पार्टी है, जिसपर भरोसा किया जा सकता है। उन्होंने 5 साल सरकार चलने का दावा करते हुए कहा था कि किसी ने नहीं सोचा था कि एनसीपी और शिवसेना साथ काम कर सकती है। अब पवार जैसे सियासी धुरंधर का शिवसेना की इतनी तारीफ करने का राजनीतिक मकसद इतनी जल्दी समझ पाना आसान नहीं है। वैसे ये तथ्य है कि पवार की दखल की वजह से जितनी ट्यूनिंग एनसीपी और शिवसेना में दिखती है, उतनी कांग्रेस और शिवसेना में कभी नजर नहीं आई है। हिंदूत्व, रामजन्मभूमि, सीएए, एनआरसी, वीर सावरकर से लेकर कोविड-19 तक को हैंडल करने को लेकर शिवसेना और कांग्रेस के नेताओं खींचतान रही है। यही वजह है कि पवार का बिना नाम लिए पटोले ने कहा है, 'कांग्रेस ही मूल पार्टी है। हमें किसी का सर्टिफिकेट नहीं चाहिए। अगर कोई (पवार) हमें साइडलाइन भी कर रहा है, इसका मतलब ये नहीं कि कांग्रेस साइडलाइन हो जाएगी।

भिवंडी में बनेगा ७ किमी का रिंग रोड

मुंबई, शहर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे ने एमएमआरडीए के माध्यम से भिवंडी शहर को बायपास कर अंजुरफाटा को जोड़नेवाले रिंग रोड के काम को पूरा करने को हरी झंडी दी है। एमएमआरडीए का मानना है कि इस रिंग रोड के जरिए भिवंडी शहर को ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात मिलेगी। बता दें कि गुरुवार को शहर विकास मंत्री ने भिवंडी के चाविडा गांव से पोगाव-टेमघर-कामतघर-पेâणा मार्ग को अंजुरफाटा से जोड़नेवाले सात किलोमीटर लंबे रिंग रोड को मंजूरी दी। इस रूट को एमएमआरडीए के जरिए पूरा किया जाएगा, जिससे भविष्य में नागरिकों को इस क्षेत्र में ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलेगी। कल हुई बैठक में शहर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे ने एमएमआरडीए आयुक्त को काम जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। शहर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि भिवंडी शहर को ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए यह रिंग रोड महत्वपूर्ण है। यह रिंग रोड न केवल भिवंडी शहर में यातायात की भीड़ को कम करेगा, बल्कि समृद्धि राजमार्ग शुरू होने के बाद वाहनचालकों के लिए भिवंडी के समानांतर आंतरिक सड़क का भी काम करेगा इसलिए इस परियोजना का जल्द से जल्द पूरा होना जरूरी है।

जर्जर इमारतों को सिर्फ नोटिस पर नोटिस!

विरार, वसई-विरार शहर में खतरनाक इमारतों की समस्या दिन-ब-दिन जटिल होती जा रही है। महानगरपालिका द्वारा इन इमारतों को लेकर कोई ठोस फैसला नहीं लेने से हजारों परिवार मौत के साए में हैं। मनपा के वर्ष २०१९ के आंकड़ों के अनुसार, शहर में १,०४८ इमारतों में ८,९४६ परिवार रहते हैं। पिछले दो वर्षों में इन जर्जर इमारतों की संख्या बढ़ी है और अब जर्जर इमारतों में लगभग १२,००० से अधिक परिवार रह रहे हैं। बताया जाता है कि पिछले तीन वर्षों से इन इमारतों को सिर्फ नोटिस पर नोटिस दी जा रही है। कोई ठोस कार्रवाई न होने की अवस्था में हजारों लोगों की जान पर खतरा मंडरा रहा है। नागरिकों का जीवन खतरे में वसई-विरार शहर मनपा की उपेक्षित नीति का खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। हर साल खतरनाक इमारतों की बढ़ती संख्या के बावजूद मनपा इस संबंध में कोई निर्णय नहीं ले रही है। महानगरपालिका हर बार केवल नोटिस दे रही है। उसके बाद मनपा इमारतों का वर्गीकरण कर अपनी जिम्मेदारी से भाग रही है। कोरोना काल में शहर की खतरनाक इमारतों का सर्वे अभी तक पूरा नहीं हुआ है। इसने शहर में कई खतरनाक इमारतों ने नागरिकों के जीवन को खतरे में डाल दिया है। मानसून के दौरान ढहने की आशंका २०१९ की रिपोर्ट के अनुसार वसई-विरार मनपा के ९ वार्डों में १,०४८ खतरनाक इमारतें पंजीकृत की गई थीं। इनमें से १९८ जर्जर इमारतों को तत्काल तोड़ना था। लेकिन महानगर पालिका ने केवल १० से १२ इमारतों पर ही तोड़क कार्रवाई की है। ३६० इमारतों को खाली करके मरम्मत की जानी है। ३५२ भवनों को बिना खाली कराए मरम्मत की जानी है। इन सभी खतरनाक इमारतों में अभी भी ६,८४० परिवार रहते हैं और इनमें ७०० से अधिक दुकानें हैं। इनमें से अधिकांश इमारतों के मानसून के दौरान ढहने की आशंका है।

आसपास की इमारतों को भी खतरा

मनपा ने नोटिस देकर खतरनाक भवनों को गिराने का आदेश दिया है। लेकिन इस समय कोरोना काल में कई लोगों की बिगड़ती आर्थिक स्थिति के चलते दूसरी जगह पलायन की संभावना नहीं है। कई इमारतों को खतरनाक घोषित कर महानगरपालिका द्वारा ध्वस्त कर दिया गया है। ध्वस्त इमारतों के कई परिवार सालों से किराए के मकान में रह रहे हैं। इन खतरनाक इमारतों से आसपास की इमारतों तथा अन्य निवासियों को भी जान का खतरा है। पिछले ३ साल से मनपा इन इमारतों को खतरनाक घोषित करके सिर्फ नोटिस पर नोटिस जारी कर रही है।

मनपा की कारगर योजनाएं आई काम

मुंबई, वैश्विक महामारी कोरोना को लेकर मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र की सराहना दुनियाभर में हो रही है। 'ब्रेक द चेन' मुहिम के तहत राज्य सरकार ने ५ चरणों में संचारबंदी में ढील देने का निर्णय लिया है। इसके लिए संक्रमण दर और बेड के मापदंड के अनुसार पांच समूह (लेवल) बनाए गए हैं। कोरोना नियंत्रण को लेकर अब मुंबई अगले पायदान में पहुंच गई है। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और जिला प्रशासन अपने-अपने क्षेत्रों में लगाए गए प्रतिबंधों के लेवल का स्तर तय करेंगे और १४ जून से उस पर अमल किया जाएगा। इसमें मुंबई सहित राज्य के अन्य जिलों को बड़ी राहत मिल सकती है।

महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग की ओर से मिली जानकारी के अनुसार कोरोना मरीजों की संख्या, ठीक होनेवाले मरीज, मृत्यु दर के आंकड़ेवारी को लेकर महाराष्ट्र की संसर्ग रोग सर्वेक्षण एजेंसी पारदर्शिता के साथ काम कर रही है। किसी भी आंकड़े को छुपाने का सवाल ही नहीं उठता। इससे पहले मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे निर्देश दे चुके हैं कि पूरी पारदर्शिता के साथ कोरोना की स्थिति की जानकारी रखी जाए। कभी-कभी कुछ तकनीकी गड़बड़ी के कारण जानकारी लंबित रह जाती है। हालांकि पूरी जानकारी सार्वजनिक रखने के लिए जिला और मनपा से नियमित फीडबैक ली जाती है। स्वास्थ विभाग के अनुसार मरीजों व मृत्यु का पंजीकरण करने की प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए विभिन्न चरणों और आनेवाली तकनीकी दिक्कतों को समझा जाता है।

वैक्सीन की मुनाफाखोरी पर रोक!... दर हुई निर्धारित

मुंबई, कोरोना वैक्सीन की अधिक कीमत वसूलनेवाले निजी अस्पतालों पर लगाम कसते हुए मनपा ने वैक्सीन की दर निर्धारित की है। मनपा के निर्धारित दर से अधिक कीमत लेनेवाले निजी अस्पतालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए मनपा ने एक ईमेल-आईडी भी जारी की है। मनपा के इस निर्णय से वैक्सीन के नाम पर निजी अस्पतालों में मची लूट-खसोट पर रोक लगेगी। शुक्रवार को मनपा ने बताया कि कोविशील्ड की वैक्सीन ७८० रुपए, कोवैक्सीन की १,४१० रुपए तो स्पूतनिक की १,१४५ रुपए में बेची जा सकती है। यह उक्त वैक्सीनों की अधिकतम दर है। इसमें जीएसटी और सेवा शुल्क शामिल है। यह सूची जारी कर मनपा ने सभी निजी अस्पतालों को चेतावनी दी है कि इससे अधिक दर न वसूलें अन्यथा शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि मनपा को लगातार निजी अस्पतालों में कोरोना वैक्सीन को लेकर अधिक कीमत वसूलने की शिकायत मिली रही थी, जिसके बाद मनपा ने कोरोना वैक्सीन की दर निर्धारित कर सभी को एक श्रेणी में लाने का निर्णय लिया।

निर्धारित दर

वैक्सीन कंपनी कीमत + जीएसटी+ सेवाशुल्क

1- कोविशील्ड 600+30+150=780

2- कोवैक्सीन -1200+60+150=1,410

3- स्पूतनिक -948+47+150=1,145

हाई अलर्ट पर मनपा मुस्तैद!

सभी नियंत्रण कक्ष तैयार

मुंबई, महानगर में आज और कल भारी बारिश की चेतावनी के बाद मुंबई मनपा हाई अलर्ट हो गई है। मनपा ने क्षेत्र के सभी नियंत्रण कक्ष को तैनात रहने का निर्देश दिया है, साथ ही बाढ़ आपदा की स्थिति से निपटनेवाली बचाव टीम को भी अलर्ट किया है। तीनों सेना से संपर्वâ बनाए रखने और कोस्ट गार्ड जवानों को तैनाती की सूचना दी गई है। मौसम विभाग ने मुंबई में आज और कल (रविवार और सोमवार) को भारी बारिश की चेतावनी दी है और लोगों से जरूरत न होने पर घर से बाहर नहीं निकलने की अपील की है।

मनपा की तैयारी

- सभी विभागीय नियंत्रण कक्ष एवं अन्य सभी नियंत्रण कक्ष को सतर्वâ रहने को कहा गया है।
- मनपा के नियंत्रण कक्ष को पर्याप्त मात्रा में दल बल और संसाधन उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया है।
- सभी ड्रेनेज नालों पर बने पंपिंग स्टेशन कर्मचारियों को तैयार रहने का निर्देश, डीजल की व्यवस्था करने का निर्देश भी दिया गया है।
- राष्ट्रीय आपदा दल को भी आपदा की स्थिति को देखते हुए तत्काल मदद के लिए तत्पर रहने की अपील की गई है।
- तीनों सेनाओं से समन्वय बनाने के लिए कुलाबा के कंट्रोल रूम को कहा गया है।
- बेस्ट और अडानी को भी सभी बिजली स्टेशन पर अलर्ट रहने का निर्देश है।
- पुलिस, अग्निशमन दल, ट्रैफिक पुलिस, बेस्ट कर्मचारी, शिक्षण विभाग, स्वास्थ्य विभाग और परिवहन आयुक्त सहित तमाम विभागों के साथ समन्वय रखने के निर्देश दिए गए हैं।
- मीठी नदी का पानी ऊपर आने के साथ ही क्रांतिनगर और अन्य सटे इलाकों को रिक्त कराने का निर्देश दिया गया है।

तस्करी का नया तरीका

ड्रग्स से केक बनाकर करते थे सप्लाई, देश के पहले मामले का भंडाफोड़

महाराष्ट्र, पिछले साल सुशांत सिंह राजपूत ने जब सुसाइड किया तो उस जांच में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) भी शामिल हुई। इसके बाद से लगातार मुंबई में ड्रग्स तस्करों पर शिकंजा कसा जा रहा है। इसी क्रम में अब एनसीबी को एक बड़ी कामयाबी मिली है, जहां मारिजुआना केक बनाने वाली बेकरी का भंडाफोड़ हुआ। ये बेकरी केक के बहाने लोगों को मारिजुआना सप्लाई करती थी। अब गिरफ्तार किए गए लोगों से पूछताछ करके उनके साथियों का पता लगाया जा रहा है। साथ ही ये भी पता करने की कोशिश है कि हाल के दिनों में उन्हें किन-किन लोगों को ये सप्लाई किया था। मुंबई एनसीबी के मुताबिक उनको शहर में मारिजुआना केक बनाने वाली बेकरी के बारे में खबर मिली थी, जिस पर शनिवार रात उन्होंने छापेमारी की। साथ ही एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया। इस दौरान 830 ग्राम वीड ब्राउनी और 160 ग्राम मारिजुआना जब्त किया गया। उन्होंने आगे बताया कि टीम ने ब्राउनी वीड केक के माध्यम से नशा करने वाली नई प्रवृत्ति का पता लगाया है। जिसमें ब्राउनी, मारिजुआना आदि को मिलाकर केक बना दिया जाता था। भारत में ये पहला मामला है, जब इस तरह के नशीले पदार्थों का इस्तेमाल केक बनाने के लिए किया जा रहा है। फिलहाल उनकी टीम पूछताछ करके अन्य लोगों का पता लगा रही है। एक और बड़ी कार्रवाई वहीं दूसरी ओर सूरत क्राइम ब्रांच ने एक युवती समेत 4 लोगों को गिरफ्तार किया है, जो मुंबई से 7.90 लाख रुपये का ड्रग्स लेकर आ रहे थे। पुलिस के मुताबिक फिल्मों में साइड रोल करने वाली पूजा ने अपने दोस्त कृष्णदत्त के साथ मिलकर मुंबई में 7.9 लाख की एमडी ड्रग्स खरीदी।

दूसरी लहर के बाद

राहत की बात है कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर से काफी हद तक उबर कर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और वित्तीय राजधानी मुंबई समेत देश के कई हिस्से आज से सामान्य जनजीवन की ओर वापसी की प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं। हालांकि इस दूसरी लहर ने दिल्ली और मुंबई समेत पूरे देश को जिस तरह के दृश्य दिखलाए हैं, उनसे उबरने में लंबा वक्त लगेगा, लेकिन फिर भी यह कम बड़ी बात नहीं है कि सीमित संसाधनों के बावजूद हम महामारी के इस चरण को पार करने की स्थिति में आ सके हैं। सख्त लॉकडाउन से इसमें काफी मदद मिली। हालांकि उसकी जो कीमत एक अर्थव्यवस्था के रूप में हमें चुकानी पड़ी है, वह भी कम नहीं। इसीलिए यह ज्यादा जरूरी है कि अनलॉक की प्रक्रिया शुरू करते हुए भी पूरी सावधानी बरती जाए। इसी सावधानी के तहत दिल्ली में बाजारों और शॉपिंग मॉल्स को ऑड-इवेन बेसिस पर ही खोलने की इजाजत

दी गई है। मेट्रो भी 50 फीसदी सीट क्षमता के साथ ही चलेगी। महाराष्ट्र में यह सावधानी और स्पष्ट रूप में दिखती है, जहां पूरे राज्य को कोरोना संक्रमण की स्थिति के आधार पर पांच अलग-अलग लेवल में बांटा गया है। लेवल 1 के शहरों में सबसे ज्यादा छूट दी गई है और लेवल 5 के शहरों में सबसे कम। मुंबई फिलहाल लेवल 3 में है, इसलिए वहां लोकल यात्रा पर रोक समेत बहुत सारी पाबंदियां जारी रहेंगी, पर फिर भी कुछ शर्तों के साथ बाजार, मॉल और सिनेमा हॉल खुल जाएंगे। यह न केवल अर्से से घरों में बंद लोगों के लिए मनोवैज्ञानिक राहत साबित होगा बल्कि बंद पड़ी आर्थिक गतिविधियों के चलते आर्थिक तंगी से गुजर रहे परिवारों के लिए भी नई उम्मीद लाएगा। मगर इसी बिंदु पर यह याद करने की जरूरत है कि महामारी की पिछली लहर उतरने के बाद अनलॉक शुरू होने पर हमने जिस तरह की लापरवाही दिखाई थी, वह कितनी भारी पड़ी। आज जो तीसरी लहर का खतरा विशेषज्ञ बता रहे हैं, वह तो अपनी जगह है ही, उससे बड़ी सचाई यह है कि दूसरी लहर भी पूरी तरह थमी नहीं है। देश के कई हिस्सों में यह अभी भी गंभीर रूप में है और उस पर काबू पाने के प्रयास चल ही रहे हैं। जाहिर है, आगे की राह बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगी कि दूसरी लहर के उतार के बाद मिले इस वक्त का हम कैसे इस्तेमाल करते हैं। इस लिहाज से दो सवाल अहम हैं। पहला, कितनी बड़ी आबादी टीकों के सुरक्षा घेरे में कितनी जल्दी लाई जा सकती है और दूसरा, अनलॉकिंग के दौरान सामान्य जीवन जीते हुए हम कोरोना प्रोटोकॉल को लेकर कितनी सजगता बनाए रख पाते हैं। पहला सवाल खासतौर पर सरकारी तंत्र और हेल्थकेयर ढांचे से वास्ता रखता है तो दूसरा सामान्य नागरिकों से। दोनों के सम्मिलित प्रयासों से ही वायरस के खिलाफ यह कठिन जंग निर्णायक रूप से जीती जा सकती है।

वैक्सीनेशन पर दूर हुई उलझन

किरीट ए. चावड़ा

काफी समय से यह मांग की जा रही थी कि पल्स पोलियो मुहिम समेत अब तक के तमाम टीकाकरण अभियानों की तरह कोरोना का टीका भी सबको मुफ्त लगाया जाना चाहिए। यह लोगों को सरकार की ओर से किसी तरह की सुविधा या सामान मुफ्त देने की बात नहीं थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि सरकार 18 साल से ऊपर के सभी लोगों को मुफ्त में टीके लगवाने का इंतजाम करेगी। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब देश कोरोना महामारी की दूसरी लहर से उबरने की प्रक्रिया में है, लेकिन खतरा टला नहीं है। दूसरी लहर के उतार के बीच जो थोड़ा-बहुत समय हमें मिला है, उसका सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल नहीं किया गया तो फिर से मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इसीलिए अगर प्रधानमंत्री ने खुद सामने आकर देश को यह बताया है कि वह सरकार की टीका नीति में महत्वपूर्ण बदलाव कर रहे हैं तो यह निश्चित रूप से एक शुभ संकेत है। काफी समय से यह मांग की जा रही थी कि पल्स पोलियो मुहिम समेत अब तक के तमाम टीकाकरण अभियानों की तरह कोरोना का टीका भी सबको मुफ्त लगाया जाना चाहिए। यह लोगों को सरकार की ओर से किसी तरह की सुविधा या सामान मुफ्त देने की बात नहीं थी। यह उनका जीवन और स्वास्थ्य सुरक्षित

करने का मामला था, जो उनका संवैधानिक अधिकार है। इतना ही नहीं, अर्थव्यवस्था के लिहाज से देखा जाए तो भी सबको सुरक्षित किए बगैर देश की आर्थिक तरक्की सुनिश्चित नहीं की जा सकती। साफ है कि यह फैसला महामारी के खिलाफ जंग में मील का पत्थर साबित हो सकता है। टीका खरीदने की कथित लिबरलाइज्ड पॉलिसी से जो गफलत पैदा हुई थी, ताजा घोषणा से वह भी दूर हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने भी उस पॉलिसी की तीखी आलोचना की थी। अलग-अलग कीमतों से भ्रम और असमंजस तो पैदा हो ही रहा था, राज्यों पर अलग से टीके खरीदने की जिम्मेदारी डालने से परस्पर दोषारोपण की प्रक्रिया भी बहुत तेज हो गई थी। राज्य शिकायत कर रहे थे कि उन्हें कंपनियां जरूरत से काफी कम टीका दे रही हैं। इस बीच, राज्यों ने टीका खरीदने के लिए जो ग्लोबल टेंडर दिए, उनका भी कोई नतीजा नहीं निकला। इसलिए एनबीटी ने भी अपने संपादकीय में केंद्र से राज्यों की ओर से टीका खरीदने की अपील की थी। अब जब केंद्र सरकार ने यह साफ कर दिया है कि राज्यों के हिस्से की ओर से भी वही वैक्सीन खरीदेगी तो किसी संदेह या असमंजस की गुंजाइश नहीं रही। इसी मौके पर प्रधानमंत्री द्वारा गरीब कल्याण अन्न योजना को दीपावली तक बढ़ाने की घोषणा भी महत्वपूर्ण है। कोरोना की दूसरी लहर के दौरान भी बड़े पैमाने पर उद्योग-धंधों और रोजगार पर बुरा असर हुआ। ऐसे में इस पहल से देश की 80 करोड़ गरीब और जरूरतमंद आबादी को बड़ी राहत मिलेगी। कुल मिलाकर देखें तो सोमवार को हुई घोषणा सरकार की नीतियों में ऐसा संशोधन है, जो महामारी के खिलाफ हमारी मोर्चेबंदी को मजबूत करेगा।

जिगर डी वाढेर

क्रिप्टो करंसी पर तो बैन लगाना ही चाहिए

क्रिप्टो करंसी क्या है, यह जानना जरूरी है। मान लीजिए 100 कंप्यूटर विशेषज्ञ एक हॉल में अलग-अलग क्यूबिकल में बैठे हुए हैं और वे एक सुडुको के पजल को हल कर रहे हैं। जिसने यह पजल पहले हल कर लिया, उसके हल को सबने देखा और अनुमोदित कर दिया कि हां, यह हल सही है तो उसे एक बिटकॉइन दे दिया गया। इसके बाद सबने सुडुको के अगले चरण के लिए अपने-अपने सुझाव दिए। एक कंप्यूटर ने इन सुझावों को मिलाया और एक नया सुडुको पजल उन्हीं 100 लोगों को दे दिया। दोबारा इनमें से जिसने सबसे पहले सुडुको को हल किया, उसे फिर से लोगों ने चेक किया और सही पाए जाने पर उसे एक और बिटकॉइन दे दिया गया। ध्यान रहे, यह बिटकॉइन केवल एक 'नंबर' होता है, जो एक कंप्यूटर द्वारा बनाया जाता है। जिसके पास वह 'नंबर' है, वही उस बिटकॉइन का मालिक है। यह नंबर ही चेक बुक है।

सरकारी नियंत्रण नहीं

उस बिटकॉइन की मान्यता उन्हीं 100 लोगों के बीच है, जिन्होंने उस सुडुको को हल करने में हिस्सा लिया है और उसके हल करने का अनुमोदन किया है। यदि किसी दूसरे हॉल में दूसरे 100 कंप्यूटर खिलाड़ी बैठे हैं और वे अपनी अलग क्रिप्टो करंसी बना रहे हैं तो उनके लिए यह जरूरी नहीं है कि वे पहले हॉल में बैठे खिलाड़ियों द्वारा जो सुडुको हल किया गया है, उसे मान्यता दें। आप भी यदि चाहें तो एक कमरे में 100 कंप्यूटर खिलाड़ियों को बैठा लें और एक अपनी क्रिप्टो करंसी बना लें। इस तरह आज विश्व में कम से कम 1500 अलग-अलग क्रिप्टो करंसी चलन में हैं। इनकी मान्यता सिर्फ इस बात पर निर्भर करती है कि जो पजल हल किया गया, उसको कौन लोग स्वीकार करते हैं। जितने लोग उस पजल के हल को स्वीकार करते हैं, उतनी ही इस करंसी की कीमत होती है।

क्रिप्टो करंसी शुरू करने के पीछे मूल विचार यह था कि सरकारों द्वारा जारी किए गए नोट की कीमत सरकारों के हाथ में होने से निवेशकों को जो दिक्कत होती है, उससे छुटकारा मिले। आपने बड़ी मेहनत से एक लाख रुपये कमाए, लेकिन सरकार ने महंगाई बढ़ा दी तो उस एक लाख रुपये की कीमत घटकर 80 हजार हो गई।

अपनी संपत्ति को सरकार के नियंत्रण से बाहर रखने के लिए लोगों ने क्रिप्टो करंसी बनाई। इसके ऊपर किसी भी सरकार या केंद्रीय बैंक का नियंत्रण नहीं होता। लेकिन क्रिप्टो करंसी जिन कंप्यूटरों में बनाई जाती है, वे कंप्यूटर किसी न किसी स्थान पर होते हैं, जो किसी न किसी देश में पड़ता है। इसलिए हम क्रिप्टो करंसी को सरकार के दखल से पूर्णतया बाहर नहीं मान सकते। वर्तमान में क्रिप्टो करंसी खेलने वालों का पसंदीदा देश चीन है। मान लीजिए चीन की सरकार ने इनके कंप्यूटर जब्त कर लिए तो उस करंसी पर संकट अवश्य आएगा।

समय के साथ जो सुडुको पजल बनाए गए, उनकी जटिलता भी बढ़ती जा रही है। आज बिटकॉइन बनाने के कारखाने लग गए हैं। इन कारखानों में बड़े-बड़े कंप्यूटर हैं, जो जटिल से जटिल सुडुको पजल को हल करने का प्रयास करते हैं। इन पजल को हल करने में इन कंप्यूटरों द्वारा भारी मात्रा में बिजली की खपत की जा रही है। जैसे रिजर्व बैंक द्वारा नोट छापने में कागज और स्याही का उपयोग किया जाता है, उसी तरह क्रिप्टो करंसी बनाने में बिजली का उपयोग किया जाता है। इसलिए क्रिप्टो करंसी पर्यावरण के लिए हानिप्रद है। दूसरी बात यह कि इसमें बिजली की खपत केवल पजल को हल करने में की जाती है, जिससे कुछ भी भौतिक या मूर्त उत्पादन नहीं हो रहा है। हां, इतना कहा जा सकता है कि जिस प्रकार आपको सिनेमा देखने में आनंद आता है, उसी प्रकार क्रिप्टो खिलाड़ियों को पजल हल करने में आनंद आता है। लेकिन यह आनंद पर्यावरण को नष्ट करके हासिल किया जा रहा है। दूसरी समस्या है कि जैसा कि ऊपर बताया गया है, वर्तमान में क्रिप्टो करंसी के अधिकतर समूह चीन में स्थित हैं।

चीन की सरकार चाहे तो इनको जब्त कर सकती है और उस हालत में इनके द्वारा जो बिटकॉइन बनाए गए हैं, वे एक क्षण में छू मंतर हो जाएंगे। यही नहीं, मान लीजिए कंप्यूटर क्रैश कर गया और उसमें रखा वह नंबर स्वाहा हो गया तो अब मालिक के पास वह नंबर उपलब्ध नहीं है तो उसे घाटा लग जाएगा। वह बिटकॉइन कंप्यूटरों की हार्ड डिस्क में छुप गया तो भी मालिक की पूंजी नष्ट हो गई। ऐसे वाकये भी हुए हैं कि हैकर्स ने आपके कंप्यूटर में प्रवेश करके वह नंबर निकाल लिया और वे स्वयं उसके मालिक बन गए।

फिरौती का माध्यम

एक और गंभीर समस्या यह है कि आजकल अपराध करने वाले क्रिप्टो करंसी में फिरौती मांगते हैं।

मान लीजिए किसी अपराधी ने किसी कंपनी के कंप्यूटर को हैक कर लिया और उसमें मालवेयर डाल दिया। जैसे बीते दिनों एक अमेरिकी तेल कंपनी के कंप्यूटर को हैक कर लिया गया था।

अपराधियों द्वारा इस प्रकार के अपराधों की फिरौती क्रिप्टो करंसी में मांगी जा रही है, जिसे कोई भी सरकार नियंत्रित नहीं कर सकती। क्रिप्टो करंसी किस कंप्यूटर से आई और किस तरफ गई, इसका कोई रेकॉर्ड नहीं होता है। यदि अपराधी डॉलर या रुपयों में फिरौती मांगता तो पुलिस या सरकार उसे ढूंढ सकती थी। वे नोट कहां और किस प्रकार से चलाए जा रहे हैं, इसका पता करना मुश्किल नहीं है। ऐसे में पुलिस अपराधी तक पहुंच सकती है, उसे पकड़ सकती है। क्रिप्टो करंसी में यह संभावना नहीं बनती है। इसलिए विश्व स्तर पर बड़े अपराध बढ़ रहे हैं, जिसका एक कारण क्रिप्टो करंसी भी है। इस परिस्थिति में क्रिप्टो करंसी पर सरकार को पूर्णतया प्रतिबंध लगाना चाहिए। यह पर्यावरण के लिए हानिकारक है, अपराधों को शह देती है, इसकी मान्यता अनिश्चित है और यह क्षणभंगुर है।

समर्थक, वोटर और भक्तों की नहीं देश को जिम्मेदार नागरिकों की ज़रूरत

भूपेन्द्र पटेल

साल 2019 में नारा लगा कि आएगा तो मोदी ही और आए भी मोदी ही। लेकिन आए क्यों? पूरे चुनावी अभियान का ईमानदार विश्लेषण हो तो आप पाएंगे कि उस दौरान क्यो रोज़ी, रोज़गार, शिक्षा, चिकित्सा जैसे ज़रूरी मुद्दे पूरी तरह से ग़ायब रहे। चुनाव में सेना की शहादत का मुद्दा राष्ट्रवादी चासनी में मीठा होता दिखा। लेकिन ये सिर्फ चुनावी फायदे के भ्रमजाल का कमाल था।

साल 2016 में भारतीय वायुसेना का एएन-32 विमान लापता हो गया था। इस विमान ने तब चेन्नई से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन बंगाल की खाड़ी के ऊपर से उड़ते हुए ये लापता हो गया था। चीन बॉर्डर के नजदीक लापता हुए इस विमान को ना तो धरती ने निगला होगा और ना ही आसमान ने खा लिया होगा। रक्षा मामले में मोदी सरकार की इस बड़ी विफलता पर सरकार ने पूरी तरह से चुप्पी साध ली। जवानों की शहादत पर जश्न मनाने वाले प्रधानमंत्री मोदी के समर्थकों ने भी इतनी बड़ी घटना पर खामोशी की चादर तान ली। एयर फोर्स के अधिकारियों और जवानों समेत 29 लोग इसमें सवार थे। इनकी शहादत, सरकार की विफलता थी लिहाजा, 29 सैनिकों की शहादत को ग़ुमनामी के घोर अंधेरे में धकेल दिया गया।

18 सितंबर 2016 को जम्मू-कश्मीर के ऊरी सेक्टर में सेना के स्थानीय मुख्यालय पर आतंकी हमला हुआ। इस हमले में 19 जवान ज़िंदा जलाकर मार डाले गए। ये हमला मोदी सरकार की बड़ी विफलता थी। ये विफलता चुनावी फायदा नहीं देती लिहाजा इसे ना तो राष्ट्रवाद से जोड़ा गया और ना ही जवानों की शहादत वाली राजनीति से। मतलब जो शहादत चुनावी फायदा नहीं देती उसे मोदी के मतदाता सम्मान नहीं देते। इससे पहले 2 जनवरी 2016 को पठानकोट में भारतीय वायु सेना के एयर बेस में आतंकी घुसे और जवानों की हत्या की। ये हमला भी मोदी सरकार की ही विफलता थी। रक्षा मामले में मोदी सरकार ने विफलताओं के तमाम रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज किए।

14 फरवरी 2019 को पुलवामा में 40 से ज्यादा जवानों की हत्या ने शहादत के ज़रिए चुनावी फायदे का बड़ा मौका दिया। तब देश में आम चुनाव होने वाले थे। सियासी राष्ट्रवाद ने उफान मारा और शहादत से उपजी राष्ट्रवादी भावना को वोट में तब्दील करने की अपील भाजपा नेता करने लगे। मतलब जवानों की शहादत का सम्मान तब ही जब वो वोट में तब्दील हो।

पुलवामा की शहादत ने रंग दिखाया और चुनावी बाज़ी पूरी तरह से पलट गई। जवानों की शहादत को पूरी तरह से भुनाया गया। 2019 के इस लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी जब प्रचंड बहुमत के रथ पर सवार हुए उसके ठीक कुछ ही दिनों बाद असम के जोरहाट से उड़ान भरने के बाद एयर फोर्स का एएन 32 विमान लापता हुआ। तब ना तो राष्ट्रवाद ने उफान मारा और ना ही शहीदों के लिए भावनाओं का ज्वार उमड़ा। ये विमान भी चीन की सीमा के नजदीक लापता हुआ। इसमें क्रू मेंबर समेत 13 जवान सवार थे। ये 13 जवान कैसे मरे सरकार ने देश को ये भी बताना उचित नहीं समझा। 13 जवानों की शहादत की ये बड़ी घटना भी ठंडे बस्ते में ही डाल दी गई क्योंकि, ये भी तो मोदी सरकार की ही बड़ी विफलता थी।

जाहिर है चुनाव बाद हुई जवानों की शहादत में मोदी समर्थक कथित राष्ट्रवादियों की कोई दिलचस्पी नहीं है। वरना 2016 में 29 जवानों के साथ चीन बॉर्डर पर लापता हुए विमान के बारे में ये कथित राष्ट्रवादी अपनी सरकार से सवाल ज़रूर पूछ चुके होते।तो मतलब ये कि आएगा तो मोदी ही वाला नारा फर्जी राष्ट्रवादियों ने ही गढ़ा, बढ़ाया और थोपा। देश का बड़ा तबका राष्ट्रवाद के नारे की असली पड़ताल नहीं कर पाया और संघ परिवार और भाजपा के भ्रमजाल में फंस गया। सेना की शहादत पर सियासत करने वाली फर्जी राष्ट्रवादियों की ये भीड़ चुनावी माहौल बनाने में सफल रही। इस भीड़ की कोई दिलचस्पी 2016 में 29 जवानों के साथ ग़ायब हुए एयर फोर्स के विमान में नहीं है और ना ही चुनाव बाद 13 जवानों के साथ ग़ायब हुए विमान में थी। और इसीलिए चुनाव में नारा लगा कि आएगा तो मोदी ही और आए भी मोदी ही क्योंकि, राष्ट्रवाद का नारा भी फर्जी था और वोटर उस फर्जी नारे को असली राष्ट्रवादी मान बैठे।

किसी भी सूरत में अपने पक्ष में माहौल बना लेना नरेंद्र मोदी की सबसे बड़ी उपलब्धि है। नरेंद्र मोदी ने एक नेता के तौर पर आपके सोचने के तरीके बदल दिए। अब आप देश,समाज और खुद के लिए नहीं सोच रहे हैं। अब आप सिर्फ नरेंद्र मोदी के लिए सोच रहे हैं। अब आप महंगाई, भ्रष्टाचार, सैनिकों की शहादत, बेरोजगारी, विकास के लिए नहीं सोच रहे हैं। आप सिर्फ नरेंद्र मोदी के लिए सोच रहे हैं। यही एक नेता के तौर पर नरेंद्र मोदी की सफलता है। लेकिन यही एक नागरिक के तौर पर आपकी विफलता भी है। वरना ना तो अपने जवानों की शहादत पर आप चुप्पी की चादर तानते और ना ही देश की परिसंपत्तियों को चुपचाप बिकता देखते। आप लगातार महंगाई की क्रूर मार झेल रहे हैं और लगातार अपना और अपनों का रोजगार छिनता भी देख रहे हैं। जिन संस्थाओं ने मिलकर देश को एक मजबूत ढांचा दिया था, देश के नागरिकों के अधिकारों को सुरक्षा दी थी आप उन्हीं को ध्वस्त होता भी तो देख ही रहे हैं। इतना ही क्रूर कोरोना के जबड़े में फंसे अपने परिजनों के लिए भी आप अपनी सरकार से ऑक्सीजन का एक सिलेंडर तक नहीं मांग पा रहे हैं।

याद रखना होगा कि नागरिकों के कमजोर होने का मतलब होता है देश का कमजोर होना। और ये भी याद रखना होगा कि देशभक्त का मतलब देश के प्रति जवाबदेह होना होता है, किसी नेता या विचारधारा के प्रति नहीं।

मुंबई में भारी बारिश से जलमग्न हुई सड़कें, जानें आज कैसा रहेगा मौसम

मुंबई और आसपास के उपनगरीय इलाकों में शनिवार को तेज हवाओं और बिजली कड़कने के साथ भारी बारिश हुई। इससे कई स्थानों पर सड़कों और ट्रेन की पटरियों पर जलभराव हो गया। लिहाजा बस और ट्रेन सेवाएं बाधित हुईं। मौसम विज्ञान विभाग ने अगले दो दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मध्य रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि पानी का स्तर बढ़ने के बाद मुख्य लाइन पर दादर और कुर्ला स्टेशनों के बीच उपनगरीय ट्रेन सेवा को निलंबित कर दिया गया। वहीं बृहन्मुंबई बिजली आपूर्ति और परिवहन (बेस्ट) के एक अधिकारी ने कहा कि कुछ स्थानों पर जलजमाव के कारण कई बसों का रास्ता बदलना पड़ा। मध्य रेलवे के अधिकारी ने कहा, पिछले एक घंटे में 61.21 मिलीमीटर से अधिक बारिश होने, एक बजकर 32 मिनट पर 4.34 मीटर ऊंची लहरें उठने और मीठी नदी के द्वार खोल दिए जाने के कारण कुर्ला और सायन के बीच पानी का स्तर बढ़ रहा है। चूनाभट्टी स्टेशन के पास जलभराव हो गया जिससे हार्बर लाइन पर सेवा धीमी पड़ गई। अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा कारणों से ट्रेनें धीमी गति से चल रही हैं।

ठाणे-वाशी समेत मुख्य लाइन के अन्य सेक्शनों तथा अन्य मार्गों पर लोकल ट्रेन का परिचालन सामान्य है।

अगले दो दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार सुबह 10 बजे से अगले तीन घंटों के लिए मुंबई समेत कोंकण के कुछ जिलों में बिजली कड़कने और आंधी की चेतावनी जारी की थी। अगले दो दिनों के लिए 'भारी से बहुत भारी बारिश' यानी ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इससे पहले आईएमडी ने शनिवार को मुंबई के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। ऑरेंज अलर्ट का अर्थ है कि मौसम की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्रशासन को किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए।

21 जिलों में जून के पहले दस दिन में काफी बारिश :

महाराष्ट्र के 36 में से 21 जिलों में एक से 10 जून के बीच 60 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा, एक से 10 जून के बीच इन जिलों में काफी अधिक बारिश हुई जो इस अवधि के औसत से साठ प्रतिशत अधिक है। मुंबई के अलावा तटीय जिले ठाणे, रायगढ और पालगढ़ भारी बारिश वाले जिलों में शामिल हैं। रत्नागिरि ,बुलढ़ाना,नागपुर और भंडारा में 'अधिक वर्षा हुई वहीं आठ जिलों में सामान्य वर्षा हुई। बीते बुधवार को बारिश के चलते पानी भरने से करीब 30 लोकेशंस पर बसों के रूट को डायवर्ट करना पड़ा है।

महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के 10697 नए केस, 360 और लोगों की मौत

महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के 10,697 नए मामले सामने आए हैं। राज्य में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस की वजह से 360 और लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार को 14,910 लोग कोरोना को मात देते हुए ठीक हुए।

इसी के साथ राज्य में कोरोना वायरस रिकवरी रेट 95.48 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

वहीं, ठाणे जिले में 413 और लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाये जाने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 5,23,970 हो गई है। वहीं, संक्रमण से 42 और लोगों की मौत हुई है।

एक अधिकारी ने शनिवार को इस बारे में बताया। अधिकारी ने बताया कि नए मामलों की पुष्टि शुक्रवार को हुई। उन्होंने बताया कि संक्रमण से 42 और लोगों की जान जाने से जिले में मृतक संख्या बढ़कर 10,180 हो गयी है। ठाणे में कोविड-19 से मृत्यु दर इस समय 1.94 प्रतिशत है।

हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हुए ट्रेजडी किंग

ट्रेजेडी किंग दिलीप कुमार को शुक्रवार को हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कर दिया गया। हालांकि, 98 वर्षीय दिलीप कुमार एक स्ट्रेचर पर लेटकर हिंदुजा हॉस्पिटल से बाहर निकले। बाहर निकलने के दौरान हल्की बारिश हो रही थी और उन्हें एम्बुलेंस में चढ़ाते वक्त उनकी पत्नी सायरा बानो उन्हें संभालती हुई नजर आईं। अस्पताल से निकलते वक्त सायरा बानो ने मीडिया का हाथ हिलाकर धन्यवाद किया।

दिलीप साहब की ओर से फैजल फारूकी ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। उन्होंने लिखा है, "आपके प्यार, स्नेह और दुआओं के साथ दिलीप साहब अस्पताल से घर जा रहे हैं। डॉक्टर्स (नितिन) गोखले, (जलील) पारकर, डॉ. अरुण शाह और हिंदुजा हॉस्पिटल, खार की पूरी के जरिए अल्लाह का रहम रहा।"

5 दिन से अस्पताल में भर्ती थे

दिलीप साहब बीते 5 दिनों से हिंदुजा हॉस्पिटल में भर्ती थे। उन्हें रविवार सुबह सांस लेने में तकलीफ होने के बाद वहां ले जाया गया था। उनके फेफड़ों में पानी भर गया था। इस स्थिति को बाइलिटरल प्ल्यूरल इफ्यूजन कहा जाता है। भास्कर से बातचीत में हिंदुजा अस्पताल के डॉ. जलील पारकर ने कहा, 'फेफड़ों में पानी भरना उम्र संबंधी दिक्कत थी।'

मुंबई के जालसाज के झांसे में भोपाल के व्यापारी

भोपाल के व्यापारी को लॉकडाउन के दौरान सोशल मीडिया ग्रुप से जुड़ना भारी पड़ गया। जालसाज ने खुद को मुंबई का दवा सप्लायर बताते हुए सस्ते में ऑक्सीमीटर दिलाने का भरोसा दिलाया। बातचीत के बाद व्यापारी ने ऑर्डर भी दे दिया। जालसाज द्वारा दिए गए खात नंबर में 4.2 लाख रुपए भी जमा कर दिए। कुछ दिना◌े◌ं तक माल नहीं मिला, तो फोन किया, लेकिन फोन बंद आया। व्यवसायी सुरेश कलारा ने हनुमानगंज पुलिस को बताया कि उनका सर्जिकल इक्विपमेंट का कारोबार है। उनकी घोड़ा नक्कास में मेसर्स लाल स्टोर्स नाम से शॉप है। बेटे तरुण कलारा को कुछ माह पहले एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया ग्रुप पर जोड़ा था। इसके बाद लॉकडाउन के दौरान तरुण को एक व्यक्ति ने फोन कर मुंबई का दवा सप्लायर बताया। खुद को ऑक्सीमीटर का थोक डीलर बताते हुए तरुण को कम रेट पर ऑक्सीमीटर दिलाने का झांसा दिया।

गंदे पानी में बैठाकर डाला कचरा..जलजमाव होने पर शिवसेना MLA ने ठेकेदार को दी यह सजा

मॉनसून की बारिश में मुंबई की सड़कें लबालब भर गई हैं। मायानगरी में शनिवार को इतनी तेज बारिश हुई कि चांदीवली से लेकर मुंबई के कई इलाकों में जलभराव हो गया। सड़कों पर जलजमाव को देखकर चांदीवली इलाके के शिवसेना विधायक ऐसे भड़क उठे कि उन्होंने ऑन द स्पॉट ही कॉन्ट्रेक्टर (ठेकेदार) को सजा दे दी।

नाले की उचित सफाई न होने का आरोप लगाकर शिवसेना विधायक दिलिप लांडे ने कॉन्ट्रेक्टर को जलजमाव वाले पानी के बीच ही बिठाकर उसे कचरे से नहला दिया और सबके सामने उसे जलील किया।

समाचार एजेंसी एएनआई ने इसका एक वीडियो जारी किया है, जिसमें देखा जा सकता है कि कैसे कॉन्ट्रेक्टर को गंदे पानी में बैठाकर उसके ऊपर कचरा डाला जा रहा है।

वीडियो के मुताबिक, नाले की उचित सफाई नहीं होने की वजह से इलाके में जलजमाव होने हो गया। इसके बाद शिवसेना विधायक दिलीप ने कॉन्ट्रेक्टर को बीच सड़क पर ही जलील कर दिया।

वीडियो में देखा जा सकता है कि कॉन्ट्रेक्टर को पानी में पहले बैठने को मजबूर किया जाता है। फिर उसे धक्का देकर गंदे पानी में गिरा दिया जाता है और फिर उस पर कचरा डाला जाता है। विधायक के कहने पर उनके कार्यकर्ता को कॉन्ट्रेक्टर पर बारी-बारी से कचरा डालते देखा जा सकता है। यह वाकया जब हो रहा है, तब कई लोग आसपास देखे भी जा सकते हैं।

कॉन्ट्रेक्टर बार-बार गुहार लगाता दिख रहा है, मगर विधायक उसकी एक भी नहीं सुनते हैं। इस मामले पर विधायक दिलीप का कहना है कि उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि ठेकेदार ने अपना काम ठीक से नहीं किया। बता दें कि मुंबई में बारिश की वजह से लोकल ट्रेन की सेवा कल बाधिक रही, क्योंकि पटरियों पर भी पानी भर आया है।

ठाणे में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

ठाणे पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पॉश इलाके में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ कर एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि दो महिलाएं जिन्हें वेश्यावृत्ति में धकेल दिया गया था, उन्हें भी इस गिरोह के चंगुल से मुक्त कराया गया।

गुप्त सूचना के आधार पर मानव तस्करी रोधी प्रकोष्ठ के अधिकारियों ने एक व्यक्ति को ग्राहक बनाकर सोमवार को आरोपियों के पास भेजा। पुलिस ने एक बयान में बताया कि आरोपी महिला ने ग्राहक को मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर सासुपाड़ा गांव में एक होटल के पास बुलाया जहां महिला के दो सहयोगी दो महिलाओं को लेकर पहुंचे। इसके बाद तीनों आरोपियों को पकड़ लिया गया और देह व्यापार के लिए वहां लाई गई दो महिलाओं को छुड़ाया गया।

आरोपियों में एक ऑटो रिक्शा चालक

पुलिस ने बताया कि बाद में आरोपियों को IPC की संबंधित धाराओं और अनैतिक तस्करी (रोकथाम) कानून के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों में एक ऑटो रिक्शा चालक भी शामिल था। यह महिलाओं को ग्राहकों के घरों या होटल तक छोड़ने का कम करता था।

प्रशांत किशोर:अभिनेता शाहरुख खान से कुछ देर में करेंगे मुलाकात

एनसीपी चीफ शरद पवार से मिलने के बाद रणनीतिकार प्रशांत किशोर कुछ देर में अभिनेता शाहरुख खान से उनके घर मन्नत पर जाकर मुलाकात करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, शाहरुख प्रशांत किशोर की लाइफ पर एक वेब सीरीज बनाना चाहते हैं। यह भी चर्चा है कि प्रशांत चाहते हैं कि शाहरुख ही उनका किरदार निभाएं। इसलिए दोनों आज मिलकर इस पर कोई निर्णय ले सकते हैं।

चुनावी रणनीतिकार के रूप में प्रशांत किशोर का कैरियर बेहद अच्छा रहा है, और उनकी रणनीति से कई बड़ी-बड़ी पार्टियों को चुनाव में कामयाबी मिली है।

प्रशांत किशोर अब तक नरेंद्र मोदी, जगन मोहन रेड्डी, कैप्टन अमरिंदर सिंह, ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे की पार्टी के लिए बतौर चुनावी रणनीतिकार काम कर चुके हैं। उनकी रणनीति के सभी कायल माने जाते हैं। इसलिए माना जा रहा है कि अगर उनकी लाइफ पर कोई फिल्म या वेब सीरीज बनती है तो वह लोगों के लिए काफी इंट्रेस्टिंग रहेगी।

शरद पवार से की मुलाकात

शुक्रवार को प्रशांत किशोर ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार के साथ मीटिंग की।

बताया जा रहा है कि दोनों के बीच चार घंटे मीटिंग चली। शरद पवार के बंगले सिल्वर ओक में यह बैठक हुई। प्रशांत किशोर और शरद पवार की इस मीटिंग के बाद राजनीतिक गलियारे में हलचल तेज हो गई है। चर्चा है कि दोनों के बीच 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के खिलाफ नया गठबंधन बनाने को लेकर बातें हुईं, लेकिन राज्य के डिप्टी सीएम अजित पवार ने इस मुलाकात के बाद कहा कि शरद पवार और प्रशांत किशोर की मुलाकात राजनीतिक नहीं है।

मुंबई में बारिश का कहर-मालवानी इलाके में 4 मंजिला इमारत गिरने से 11 लोगों की मौत

मुंबई में पूरे दिन हुई बारिश के बाद मालवानी इलाके में एक चार मंजिला इमारत ढहकर दूसरी इमारत पर गिर गई। हादसे के बाद मलबे से 18 लोग निकाले गए थे। इनमें से 11 की मौत हो चुकी है। बाकी 7 घायलों का बीडीबीए नगर जनरल हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। हादसे के वक्त इमारत में तीन परिवार रह रहे थे। इनमें कुछ बच्चे भी शामिल हैं।

घटना के बाद फायर ब्रिगेड और BMC की टीम घटनास्थल पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। घनी आबादी होने के चलते घटनास्थल तक पहुंचने का रास्ता संकरा है। ऐसे में रेस्क्यू में दिक्कत हो रही है। रास्ता संकरा होने की वजह से एंबुलेंस, दमकल और JCB को भी मौके पर पहुंचने में दिक्कतें हुई थीं। बृहन्मुंबई नगर निगम ने कहा है कि आसपास की तीन इमारतें खतरनाक स्थिति में हैं उन्हें भी खाली करा लिया गया है। जोन-11 के DCP विशाल ठाकुर ने बताया, 'हमारी टीम रातभर से रेस्क्यू में जुटी है। अभी भी मलबे में कुछ लोग फंसे हो सकते हैं।' एक चश्मदीद शाहनवाज खान ने बताया, 'हमारे फोन करने के तुरंत

बाद फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।' एक ही परिवार के 9 सदस्यों की हुई मौत BMC से मिली जानकारी के मुताबिक, सबसे पहले एक चार मंजिला इमारत की दो मंजिलें इसके ठीक बगल में मौजूद एक दो मंजिला घर पर गिरी हैं। इसमें भी कुछ लोगों की मौत हुई है। मृतकों में एक ही परिवार के 9 सदस्य शामिल हैं। ये सभी चार मंजिला इमारत में किराए से रहते थे। इस परिवार में जीवित बचे एक मात्र सदस्य मोहम्मद रफी ने बताया, 'मैं रात को दूध लेने गया था। घर लौटा तो यह इमारत गिर गई थी। इसमें मैं अपनी पत्नी, भाई-भाभी और 6 बच्चों के साथ रहता था। बच्चों में दो लड़के और एक लड़की थी।'

बेकरी की आड़ में चल रहा था ड्रग्स का कारोबार

ड्रग्स के खिलाफ मुंबई में चल रहे अभियान के तहत नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है। यहां के मलाड स्थित एक बेकरी शॉप में खाने के सामान बेचने की आड़ में ड्रग्स का धंधे का खुलासा किया है। छापेमारी करके एनसीबी ने बेकरी मालिक समेत अन्य को पकड़ा है। एनसीबी को सूत्रों से जानकारी मिली की बेकरी की आड़ में मलाड में ड्रग्स का कारोबार चल रहा है। एनसीबी ने मजबूत सबूत जुटाने के बाद बेकरी में छापा मारा। छापे के दौरान बेकरी से 160 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

केक-पेस्ट्री की आड़ में ड्रग्स करते थे सप्लाई

कहा जा रहा है कि केक, पेस्ट्री और दूसरे बेक्ड आयटम की आड़ में यह ड्रग्स का धंधा हो रहा था। कुछ हाईप्रोफाइल लोगों को इसकी जानकारी थी। वह ड्रग्स ऑर्डर करते थे और बेक्ड आयटम की आड़ में ड्रग्स की सप्लाई आसानी से होती थी।

दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ

एनसीबी ने बेकरी से दो लोगों को हिरासत में ले लिया है। अधिकारियों ने बताया कि अभी पूछताछ चल रही है कि यह ड्रग्स का धंधा बेकरी की आड़ में कब से चल रहा था? उनके ग्राहक कौन-कौन हैं? इसका मास्टर माइंड कौन है? हो सकता है कि इस मामले में कुछ हाई प्रोफाइल लोगों के नाम सामने आएं।

गटर सही से साफ है या नहीं यह जांचने के लिए मैनहोल में उतर गई महिला ऑफिसर, उनके काम की जमकर हो रही है तारीफ

भिवंडी नगर निगम की एक महिला ऑफिसर सुविधा चव्हाण के काम करने के तरीके की जमकर तारीफ हो रही है। सुविधा चव्हाण ने मंगलवार को बारिश से पहले शहर के कुछ मैनहोल का निरीक्षण किया था। जांच के दौरान उन्हें सफाई पर संदेह हुआ तो वे सीधे गटर में सीढ़ियों के सहारे उतर गईं। कुछ जगह तो उन्हें उम्मीद के मुताबिक सफाई मिली, लेकिन कुछ जगहों पर गंदगी देख उन्होंने जिम्मेदार लोगों को फटकार भी लगाई। मॉनसून को देखते हुए जिले में सीवरेज सफाई का काम चल रहा है। ठेकेदारों को सफाई कराने का काम सौंपा गया था। काम में किसी तरह की कोई चूक ना हो, इसे सुनिश्चित करने के लिए महिला निरीक्षक सुविधा चव्हाण घूम-घूम कर मैनहोल की जांच कर रही हैं।

इसी कड़ी में वे मंगलवार को निजामपुर इलाके में जांच के लिए पहुंची थीं। उनका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वे जांच के लिए मैनहोल में उतरती हुईं नजर आ रही हैं।

साड़ी पहन मैनहोल में उतरी महिला ऑफिसर

खास यह है कि महिला ऑफिसर जिस दौरान मैनहोल में उतरी उन्होंने साड़ी पहनी हुई थी। उन्होंने अपने कपड़ों की परवाह किए बिना जिस तरह से अपने काम को पूरी ईमानदारी से अंजाम दिया अब सोशल मीडिया में उसकी जमकर तारीफ हो रही है।

मैनहोल की जांच के दौरान उन्होंने सफाई का काम कर रहे मजदूरों से भी बात की और उन्हें सही से काम करने की हिदायत दी।

अवसाद ग्रस्त बच्चों में कोरोना संक्रमण का खतरा ज्यादा, शोध में हुआ दावा

मनोज जोशी

कोरोना की तीसरी लहर में सबसे ज्यादा बच्चों के संक्रमित होने के दावों के बीच एक शोध में कहा गया है कि अवसाद ग्रस्त बच्चों में कोरोना संक्रमण का खतरा ज्यादा होता है। जर्नल ऑफ अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन में प्रकाशित शोध में कहा गया है कि डरे हुए और अवसाद से ग्रसित बच्चों में आम बच्चों की तुलना में ज्यादा डर है। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल में इस शोध को छापा गया है और बताया गया है कि संक्रमण बच्चों के लिए कितना खतरनाक साबित हो सकता है। शोधकर्ता कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के एमडी एनाबेले डी सेंट मौरिस ने बताया कि बच्चों के अस्पताल में भर्ती होने और उनकी बीमारी के गंभीर होने को लेकर यह शोध किया गया।

शोध का मकसद ये जानना था कि किन बच्चों के गंभीर रूप से संक्रमित होने की ज्यादा आशंका है। अध्ययनों में पाया गया कि बच्चों में गंभीर कोरोना के जोखिम का कारक कम उम्र (1 से कम) या पहले से मौजूद चिकित्सा स्थितियों (जैसे, अस्थमा, मधुमेह, जन्मजात हृदय रोग, मोटापा, या तंत्रिका संबंधी स्थिति) हैं। इन बीमारियों से ग्रस्त बच्चों में कोरोना का खतरा ज्यादा है।

इस अध्ययन में 800 से अधिक अस्पतालों से जुड़े डेटाबेस से रोगी डेटा एकत्र किया गया था, जहां 18 वर्ष या उससे कम उम्र के बाल रोगियों को आपातकालीन विभाग में देखा गया था। सभी मार्च 2020 से जनवरी 2021 तक रोगी थे।

अध्ययन के मुख्य परिणाम

अस्पताल में भर्ती होने के साथ-साथ गंभीर बीमारी (आईसीयू में प्रवेश, आक्रामक यांत्रिक वेंटिलेशन, या मृत्यु के रूप में परिभाषित) थे। इसमें 43 हजार से ज्यादा बच्चों के डाटा पर शोध हुआ। अध्ययन में गया कि अस्पताल में भर्ती 29% प्रतिभागियों में पहले से कोई बीमारी थी। इनमें अस्थमा से ग्रसित बच्चे (10.2%) ज्यादा थे। इसके बाद न्यूरोडेवलपमेंटल विकार (3.9%), चिंता और भय से संबंधित विकार (3.2%), और अवसादग्रस्तता विकार (2.8%) थे।

वयस्कों की तरह बच्चों में भी अवसाद संभव

शोधकर्ताओं के मुताबिक, वयस्कों की तरह बच्चों में भी अवसाद संभव है। 19 साल के होने से पहले हर चार में से एक बच्चे को डिप्रेशन होता है। यानी अवसाद होना वयस्कों में जितना सामान्य है, उतना ही बच्चों में भी।

अवसाद के लक्षण

-लोगों के बीच जाने से बचने की कोशिश करना
-खाना नहीं खाना
-हमेशा मायूस रहना
-हर बात के लिए इनकार करना
-पैनिक अटैक आना और चिड़चिड़ापन

ये 5 कारण बताते हैं कि गर्मियों में सबसे आसान है वेट लॉस करना

संजय शर्मा

जैसे - जैसे गर्मी बढ़ती है हर व्यक्ति खुद को कूल रखने के लिए तरल पदार्थों की ओर उन्मुख हो जाता है। आपकी अपने आप ही खाने से इच्छा हटने लगती है, क्योंकि ज्यादा तेल मसाले वाला भोजन न तो आप खा सकते हैं और न ही पचा सकते हैं। पर यह सिर्फ परेशानी नहीं है,बल्कि इसका एक सकारात्मक पक्ष भी है। जी हां, आपके लिए गर्मियों के दिनों में वेट लॉस करना ज्यादा आसान होता है। हम बता रहे हैं इसके लिए जिम्मेदार कारण।

गर्मियों में वज़न ज्यादा आसानी से घट जाता है, इसके कई कारण हैं जैसे -

1. ज्यादा पानी पीना और तरल पदार्थों का सेवन

गर्मियों में शरीर ज्यादा जल्दी डिहाईड्रेट होता है, जिसकी वजह से बार - बार प्यास लगती है। गर्मियों में हमारा वॉटर इन्टेक बढ़ जाता है। ज्यादा पानी पीने की वजह से भूख भी कम लगती है और पाचन तंत्र भी दुरुस्त रहता है। साथ ही, ज्यादा पानी पीने की वजह से खाना भी जल्दी पच जाता है। ये सभी मिलकर वेट लॉस को आसान बना देते हैं।

2. गरिष्ठ भोजन से परहेज

सर्दियां हो या बरसात, उन दिनों में हम डीप फ्राई फूड्स की ओर ज्यादा आकर्षित होत हैं। जबकि गर्मियों में भूख कम लगती है। गर्मियों में हम अक्सर कई पेय

पदार्थ और अन्य फल या ऐसी चीजें ज्यादा खाते हैं, जो हमें ठंडा और हल्का रखती है। कुल मिलाकर आप भारी भोजन से बचने की कोशिश करते हैं। 2013 के एक अध्ययन से पता चला है कि जो लोग गर्म वातावरण में वर्कआउट करते हैं, वे ठंडे तापमान में व्यायाम करने वालों की तुलना में कम खाते हैं।

3. अच्छा मेटाबॉलिक रेट

गर्मी के कारण आपका शरीर गर्म रहता है और रक्त कोशिकाएं भी अच्छी रहती हैं। आपकी समग्र चयापचय दर बढ़ जाती है और इससे भोजन को बेहतर ढंग से पचाने में मदद मिलती है। इसके अलावा, जब आप कसरत करते हैं, तो उच्च चयापचय अधिक कैलोरी बर्न करने में मदद करता है। साथ ही, गर्मियों में पसीने की ग्रंथियां भी अधिक सक्रिय होती हैं।

4. लंबे दिन और ज्यादा शारीरिक सक्रियता

गर्मियों में, दिन लंबे होते हैं, परिणामस्वरूप आप सर्दियों की तुलना में दिन के दौरान अधिक सक्रिय रहते हैं। सर्दियां आपको ठंडी और सुस्त बनाती हैं। जबकि गर्मियां आपको सक्रिय रखती हैं। इसलिए, गर्मियों में वेट लॉस करना ज्यादा आसान है।

5. ताजा भोजन करते हैं

सर्दियां आपको गर्म भोजन, गर्म चॉकलेट और आरामदायक भोजन के लिए आकर्षित करती हैं। जो कि कैलोरी से भरपूर होता है। जबकि गर्मियों में आपको हरी सब्जियां-सलाद, ताज़ा भोजन, कोल्ड ड्रिंक्स और आइसक्रीम की लालसा होती है। जो न केवल कम कैलोरी, बल्कि पौष्टिक भी होते हैं। फल सब्जियों का सेवन गर्मियों के दौरान बढ़ जाता है।

मच्छर काटने से होने वाली खुजली और जलन से छुटकारा पाने के घरेलू उपाय

मौसम बदलने के साथ ही मच्छरों का आतंक भी शुरू हो जाता है। ऐसे में मच्छर भगाने के लिए कितने ही उपाय क्यों न कर लें लेकिन मच्छर काट ही लेते हैं। नींद खराब करने वाले मच्छर कभी-कभी इतने खतरनाक होते हैं कि उनके काटने से एलर्जी तक हो जाती है। खासतौर पर मच्छरों के काटने से कई बार लाल रंग के चकत्ते पड़ जाते हैं। चेहरे पर ये लाल रंग के निशान और भी बेकार लगते हैं। कभी-कभी इन चकत्तों से छुटकारा पाने में 6-7 दिनों से ज्यादा का वक्त लग जाता है। ऐसे में अगर आपके चेहरे पर मच्छरों के काटने के बाद अगर लाल रंग के निशान पड़ जाएं, तो आप कुछ घरेलू उपायों का इस्तेमाल करके इनसे छुटकारा पा सकते हैं।

सेब का सिरका

सेब का सिरका स्किन और हेयर के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही वजन घटाने के लिए भी सेब का सिरका पानी में मिलाकर पिया जाता है। आपके चेहरे पर अगर मच्छर काटने से निशान पड़ जाएं, तो आप तीन चम्मच पानी में आधा चम्मच सेब का सिरका मिलाकर लगा लें। निशान गायब हो जाएंगे।

नींबू का छिलका

अगर मच्छर के काटने से चकत्ते बन गए हैं तो उस जगह पर नींबू का छिलका लगाएं। इससे आपके चकत्ते के निशान गायब हो जाएंगे। खुजली भी नहीं होगी।

प्याज का टुकड़ा

मच्छर के काटने से बनने वाले चकत्ते के निशान पर प्याज का टुकड़ा लगाएं। इससे निशान दूर हो जाएंगे और खुजली भी खत्म हो जाएंगी।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडे में पानी मिलाकर पहले से ही घोल बना लें। जब भी मच्छर काटें तो काटे वाले स्थान पर लगा लें। इससे चकत्ते के निशान दूर हो जाएंगे और खुजली भी कम हो जाएंगी।

एलोवेरा जेल

आपकी स्किन पर मच्छर काटने की परेशानी को दूर करेगा। साथ ही स्किन पर ठंडकता भी प्रदान करेगा। अगर मच्छर काटने के स्थान से खून निकल रहा है, तो यह उसे भी ठीक कर देगा और स्किन पर जलन और खुजली की परेशानी को दूर करेगा।

स्टाइलिश दिखने के लिए शू रैक में जरुर रखें ये पांच फुटवेयर

स्टाइलिश कपड़ों के साथ मैचिंग फुटवेयर्स का भी खास रोल होता है। आप कितने भी स्टाइलिश कपड़े क्यों न पहन लें लेकिन अगर आपके फुटवेयर मैचिंग नहीं है, तो आपके स्टाइलिश कपड़े भी हाइलाइट नहीं हो पाएंगे। जैसे, साड़ी के ऊपर स्पोर्ट्स शूज पहनना अटपटा लगता है। ऐसे में अगर आप स्टाइल से समझौता नहीं करना चाहते, तो अपने शू रैक में हमेशा पांच तरह के फुटवेयर्स को जगह जरूर दें।

स्पोर्ट्स शूज

स्टाइल के मामले में स्पोर्ट्स शूज का जवाब नहीं है। स्पोर्ट्स शूज वॉकिंग या रनिंग के लिए ही नहीं बल्कि लगभग हर वेस्टर्न आउटफिट अच्छे लगते हैं।

प्लेटफॉर्म हील्स

प्लेटफॉर्म हील्स जहां देखने में स्टाइलिश लगती है। वहीं इसकी मदद से हाइट भी बढ़ी हुई दिखने लगती है। सबसे खास बात कि प्लेटफॉर्म हील को ड्रेसेज से लेकर ट्राउजर और साड़ी सूट के साथ भी आसानी से पहना जा सकता है।

फ्लिप-फ्लॉप

फ्लिप-फ्लॉप फुटवियर कूल लुक के साथ ही काफी आरामदायक भी होती हैं। इन्हें किसी भी मौसम में आसानी से कैरी किया जा सकता है। तो अगर आपके पास एक शानदार फ्लिप-फ्लॉप नही है। तो बेझिझक खरीदकर अपने पास रखें।

स्ट्रैपी सैंडल

अंगूठे के आसपास पतली स्ट्राइप वाली सैंडल ऑल टाइम फेवरेट होती है। इसमे फ्लैट्स से लेकर हील वाली डिजाइन आती है। जिसे पहने कई बार बॉलीवुड एक्ट्रेस भी दिख जाती हैं। आने वाले समय में इस तरह की सैंडिल में और भी प्रयोग होते नजर आएंगे। अंगूठे के आसपास और भी ज्यादा डिजाइन नजर आएगी। जो स्ट्रैपी सैंडल को खास बनाएगा।

क्लॉग्स

क्लॉग्स पिछले साल की तरह ही इस साल भी लड़कियों की पहली पसंद बने रहेंगे। कूल और कंफर्टेबल कुल के लिए ये काफी परफेक्ट होते हैं। इनमे पैर आगे की तरफ से पूरी तरह से ढका होता है। इन्हें कैजुअल वियर से लेकर फॉर्मल वियर के रूप में आसानी से पहना जा सकता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : संकटों में कमी आने का सिलसिला प्रारंभ होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार आ रहा है। मंगल के पुष्य में प्रवेश करने के साथ ही आपकी आर्थिक समस्याएं कम होने लगेगी। कारोबार और नौकरी में लाभ की स्थिति बनेगी। पारिवारिक सामाजिक जीवन का श्रेष्ठ समय आ रहा है। दांपत्य जीवन खुशहाल होगा।

वृषभ : भौतिक सुखों में वृद्धि का समय आ गया है। पुराने समय से चली आ रही परेशानियों में काफी हद तक राहत महसूस करेंगे। आर्थिक तरक्की का रास्ता खुलने वाला है। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति व्याप्त रहेगी। कारोबारी और नौकरीपेशा को अधिक मेहनत करने की आवश्यकता है। इस सप्ताह निवेश से लाभ अर्जित करेंगे।

मिथुन : पारिवारिक-सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठा, सम्मान में वृद्धि होगी। आपके सारे अटके हुए कार्य इस सप्ताह रफ्तार पकड़ने वाले हैं। परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। संकट दूर होंगे लेकिन कोई बड़ा आर्थिक लेनदेन उसी व्यक्ति से करें जिसे आप बहुत पहले से अच्छे से जानते हैं। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। रोगों से राहत रहेगी।

कर्क : मानसिक अस्थिरता का दौर अब समाप्त होने वाला है। बहुत समय से बंद पड़ा काम एक बार फिर पटरी पर दौड़ने लगेगा। आर्थिक स्थिति में मजबूती बनने वाली है। कार्यों को पूरे मन लगाकर करें। अति आत्मविश्वास में आकर अपने प्रदर्शन को कमजोर न होने दें। शारीरिक मानसिक रूप से मजबूत महसूस करेंगे।

सिंह : इस सप्ताह संयम से काम लें। यदि किसी की कोई बात बुरी लगे तो उसे शांति से समझा दें। किसी प्रकार के विवाद में न पड़ें। मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ महसूस करेंगे। रोगों से मुक्ति मिलेगी। नौकरीपेशा और कारोबारियों को लाभ प्राप्त होगा। कार्य में बदलाव की संभावनाएं भी हैं। भूमि, संपत्ति खरीदने के योग हैं।

कन्या : पैसों की बचत करने की प्रवृत्ति अपनाएं। अपनी आय में से कुछ राशि परोपकार के कार्यो में रखें। इससे मानसिक सुकून मिलेगा। परिवार में किसी व्यक्ति के साथ मित्रता घनिष्ठ होगी। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्य के सिलसिले में यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। स्थानांतरण प्रमोशन के योग हैं। कारोबारी अपने कार्य में बदलाव करेंगे।

तुला : संकट का समय टल गया है लेकिन अभी भी बहुत सावधानी से चलने का समय है। किसी भी तरह की परेशानी आने पर या निर्णय लेने में दिक्कत हो तो परिवार के अनुभवी लोगों से बात करें। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। संतान और जीवनसाथी के साथ बेहतरीन तालमेल रहेगा।

वृश्चिक : इस राशि के नौकरीपेशा लोगों को परिवार में कोई बड़ी दिक्कत आ सकती है। पैसों की जरूरत महसूस होगी। कार्य में शिथिलता रहने से आर्थिक संकट महसूस करेंगे लेकिन सप्ताह के अंतिम दो दिनों सारे संकट कम हो जाएंगे और मानसिक शांति महसूस करेंगे। सप्ताह में कोई पुराना मित्र या सहयोगी सामने आएगा।

धनु : संकटपूर्ण समय टलता जा रहा है। पुरानी परेशानियों का अंत सप्ताह समाप्त होते-होते हो जाएगा और आप राहत महसूस करेंगे। मजबूत आर्थिक स्थिति होते ही प्रॉपर्टी में निवेश करेंगे। भूमि, संपत्ति संबंधी सौदों से लाभ अर्जित करेंगे। शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होने वाला है। परिवार में सामंजस्य अच्छा रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन मिलेगा।

मकर : आर्थिक समस्याओं का समाधान मिलने वाला है। अब तक जो कमियां थी वे पूरी होने वाली हैं। जीवन में किसी विशेष व्यक्ति का आगमन होगा जो आपके जीवन को पूरी तरह बदल देगा। नौकरीपेशा को तरक्की मिलने वाली है। कारोबारियों को कार्य विस्तार पर ध्यान देना है। साझेदारी में कोई कार्य प्रारंभ कर सकते हैं।

कुंभ : पुराने दिनों से चली आ रही परेशानियों का अंत होने वाला है। आर्थिक, शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक, सामाजिक सभी तरह की परिस्थितियों में सुधार आएगा और आप एक शानदार जीवन की ओर अग्रसर होने वाले हैं। जिनके पास अभी तक कोई जॉब नहीं है उनका सपना पूरा होने वाला है। कारोबारी लाभ की स्थिति में आएंगे।

मीन : अपनी बिगड़ी हुई मानसिक परिस्थितियों में स्वयं को ही सुधार करना होगा। नकारात्मक बातें दिमाग से निकाल फेंके और सकारात्मक ऊर्जा से खुद को भर लें। आर्थिक परिस्थिति में सुधार आ रहा है। संपत्ति खरीदी बिक्री के योग हैं। रोगों से मुक्ति मिलेगी। अपनी शारीरिक फिटनेस पर ध्यान दें।

चुटकुले

भाभी- बताओ पजामा और प्लाजो 2 भाई हैं और दोनों में क्या अंतर है ?
देवर- एक सरकारी स्कूल में पढ़ा है और दूसरा कॉन्वेन्ट में...

एक शराबी शायरी सुना रहा था...
उनकी गली से गुजरा तो चौबारा नजर आया!
दूसरा शराबी - वाह वाह... वाह वाह...
पहला शराबी - उनकी गली से गुजरा तो चौबारा नजर आया...
उनकी मां ने देखा तो बोली-हाथ पांव तोड़ दूंगी, जो यहां दोबारा नजर आया

सोनू - मां ये लड़कियां इतने व्रत क्यों रखती हैं?
मां - बेटा इतनी आसानी से थोड़ी मिल जाएगा किसी को तू सोनू (मन ही मन सोचता हुआ) बोला- कसम से आज पहली बार देवता वाली फीलिंग आ रही है

धारा 370 बहाल करेगी कांग्रेस...दिग्विजय सिंह का क्लब हाउस चैट वायरल, BJP बोली-पाक भी तो यही चाहता

कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह क्लब हाउस चैट करके बुरी तरह फंसते नजर आ रहे हैं। क्लब हाउस चैट के दौरान आर्टिकल 370 पर बयान को लेकर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह पर भारतीय जनता पार्टी हमलावर हो गई है। दरअसल, दिग्विजय सिंह का क्लब हाउस चैट का एक कथित ऑडियो वायरल हुआ है, जिसमें वह यह कहते हुए सुने जा सकते हैं कि कांग्रेस अगर सत्ता में आती है तो जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 को फिर से बहाल करने पर विचार करेंगे। भाजपा नेता और पार्टी के आईटी सेल के चीफ अमित मालवीय ने दिग्विज सिंह के कथित क्लब हाउस चैट का ऑडिया जारी किया है। अमित मालवीय ने क्लब हाउस चैट का एक हिस्सा ट्विटर पर शेयर किया और लिखा, 'क्लब हाउस चैट में, राहुल गांधी के शीर्ष सहयोगी दिग्विजय सिंह एक पाकिस्तानी पत्रकार से कहते हैं कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो वे आर्टिकल 370 को निरस्त करने के फैसले पर पुनर्विचार करेंगे। वास्तव में? यही तो पाकिस्तान चाहता है...। दावा किया जा रहा है कि दिग्विजय सिंह के क्लब हाउस चैट के दौरान पाकिस्तानी पत्रकार भी शामिल थे और पाकिस्तानी पत्रकार के सवाल से जवाब में ही दिग्विजय सिंह ने ऐसा कहा है। सोशल मीडिया पर वायरल कथित क्लब हाउस चैट के ऑडियो में दिग्विजय सिंह कहते हैं, 'यहां (जम्मू-कश्मीर) से जब धारा-370 हटाई गई, तब लोकतंत्रिक मूल्यों का पालन नहीं किया गया। इस दौरान न ही इंसानियत का तकाजा रखा गया और न ही इसमें कश्मीरियत का ख्याल रखा गया। सभी को सलाखों के पीछे बंद कर दिया गया। अगर कांग्रेस सरकार सत्ता में आई, तो हम इस फैसले पर फिर से विचार करेंगे और आर्टिकल 370 बहाल करेंगे।' इधर, भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने भी इस ऑडियो चैट को ट्वीट करते हुए दिग्विजय सिंह पर हमला बोला है। संबित पात्रा ने ट्विटर पर लिखा- 'दिग्विजय सिंह ने आर्टिकल 370 बहाल करने पर पुनर्विचार की बात कही। उन्होंने हिन्दू कट्टरपंथी का जिक्र किया। कांग्रेस राष्ट्रविरोधियों का क्लब हाउस है।' वहीं, केंद्रीय मंत्रि गिरिराज सिंह ने भी वायरल चैट को ट्वीट करते हुए लिखा, ''कांग्रेस का पहला प्यार पाकिस्तान है। दिग्विजय सिंह ने राहुल गांधी का संदेश पाकिस्तान तक पहुंचाया है।

अजब-गजब-यूपी के इस गांव में बन गया कोरोना माता का मंदिर, रोज हो रही पूजा, लग रहे जयकारे

इसे अंधविश्वास नहीं तो और क्या कहेंगे। लोगों ने कोरोना से बचाव के लिए आस्था की राह पर चलकर यूपी के प्रतापगढ़ के एक गांव में कोरोना माता की मूर्ति स्थापित कर दी। हैरानी तो इस बात की है कि ग्रामीण मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए भी पहुंच रहे हैं। हालांकि मंदिर में प्रवेश के लिए बनाए गए नियम लोगों को संक्रमण के प्रति जागरूकता का संदेश दे रहे हैं। कोरोना संक्रमण ने लोगों के जेहन में खौफ पैदा कर दिया है।

परेशान लोगों ने अब आस्था की राह अपनाई। सांगीपुर के पूरे जूही (शुकुलपुर) में महामारी से तीन मौतें हुईं तो लोग डर गए। गांव के लोकेश श्रीवास्तव की पहल के बाद ग्रामीणों ने सात जून को कोरोना माता की मूर्ति स्थापित कराई। विशेष ऑर्डर पर तैयार कराई मूर्ति को गांव में नीम के पेड़ के पास स्थापित कर इसे कोरोना माता मंदिर का नाम दिया गया। ग्रामीणों का मानना है कि पूर्वजों ने चेचक को माता शीतला का स्वरूप माना था अब कोरोना भी देवी माता का ही रूप है। हालांकि जानकारों का कहना है कि जब समाज बीमारी या फिर महामारी से हार जाता है तो भयभीत होकर पूजा-अर्चना करने लगता है।

मूर्ति से जागरूकता का संदेश देने की पहल

महामारी से बचने को भले ही ग्रामीणों ने आस्था का सहारा लिया है, लेकिन मूर्ति के जरिए ग्रामीणों को जागरूक करने की कोशिश की गई है। मूर्ति के चेहरे

पर मास्क लगा है। इसके अलावा दर्शन करने के लिए आने वालों को दोनों हाथ धुलाने के बाद ही प्रवेश दिया जाता है। इसके जरिए यह संदेश भी ग्रामीणों को दिया जा रहा है कि वे हमेशा मास्क लगाएं और हाथ धुलते रहें।

सांस्कृतिक विश्वास का परिणाम

डॉ. एमपी शर्मा, मनोचिकित्सक, जिला अस्पताल, प्रतापगढ़ कहते हैं कि कोरोना माता की मूर्ति स्थापित किया जाना सांस्कृतिक विश्वास का परिणाम है। इस मंदिर में विज्ञान और आस्था दोनों साथ-साथ चल रही है। आस्था से पूजा तो विज्ञान से मास्क और हाथ धुलने की सीख दी जा रही है।

आस्था प्रधान देश है ऐसे में लोग दवा के साथ दुआ भी करते आए हैं।

अगर लोगों की भीड़ जुट रही है तो उन्हें कोरोना प्रोटोकाल की सीख भी दी जानी चाहिए।

मांझी के बाद सहनी ने बढ़ाई एनडीए की टेंशन, लालू से बातचीत पर बोले- इसे पर्दे में ही रहने दीजिए

बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चल रही एनडीए सरकार में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। गाहे-बगाहे सरकार की सहयोगी पार्टियां अपने रुख से इन अटकलों को हवा देते रहते हैं। हाल ही में जीतन राम मांझी ने बांका की घटना पर बीजेपी को नसीहत दी जिसपर भाजपा ने भी पलटवार किया था। अब वीआईपी पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी ने सरकार की टेंशन बढ़ाने का काम किया है। सहनी ने बिना नाम लिए बीजेपी नेताओं को अनावश्यक बयानबाजी की बजाय जनता से किए 19 लाख के रोजगार पर काम करने की सलाह दी है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, 'एनडीए गठबंधन के साथीगणों से अनुरोध है कि अनावश्यक बयानबाजी से बचें एवं हम सब मिलकर बिहार की जनता से किए गए 19 लाख रोजगार के वादे पर काम करें।'

इसके अलावा खबर है कि सहनी ने शुक्रवार को आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव से फोन पर बात की है। जब उनसे इस बारे में पूछा गया तो एक चैनल से बातचीत में उन्होंने कहा कि इसे पर्दे में ही रहने दीजिए। बांका की घटना पर उन्होंने कहा कि यह जांच का विषय है। जांच एजेंसी पहले घटना की जांच कर ले फिर हमें उसपर प्रतिक्रिया देनी चाहिए। वीआईपी नेता ने कहा कि बहुत से नेता अलग-अलग मुद्दों पर बयान दे रहे हैं जो सही नहीं है। हमने जनता से 19 लाख रोजगार देने का वादा किया है इसलिए वादे के अनुसार हमें उसपर ध्यान देना चाहिए। यदि किसी साथी को ये वादा याद नहीं है तो उन्हें इसे याद दिलाना कोई बड़ी बात नहीं है। लालू से हुई बातचीत के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने इसे पर्दे के पीछे रहने दीजिए कहकर टाल दिया। वहीं सहनी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक पत्र लिखा है जिसमें जनप्रतिनिधियों को पूर्व की भांति ऐच्छिक कोष की धनराशि खर्च करने की शक्ति प्रदान किए जाने की अपील की है। मांझी से तेजप्रताप ने की थी मुलाकात जीतन राम मांझी से 11 जून को नेता प्रतिपक्ष और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने उनके आवास पर मुलाकात की थी। तेजप्रताप ने बीते शुक्रवार को न सिर्फ मांझी से मुलाकात की बल्कि फोन पर अपने पिता और पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव से उनकी बात भी कराई। इस मुलाकात और बातचीत के बारे में मांझी ने कहा था कि ये बिल्कुल गैर राजनीतिक और विशुद्ध पारिवारिक मामला है। राजनीति में मतभेद तो होता है लेकिन मनभेद नहीं होता।

दिल्ली के लाजपत नगर की सेंट्रल मार्केट में कपड़े के शोरूम में आग लगी

दमकल की 16 गाड़ियां मौके पर मौजूद

राजधानी दिल्ली के लाजपत नगर की सेंट्रल मार्केट में एक कपड़े के शोरूम में शनिवार को सुबह भीषण आग लग गई। हादसे की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की 16 गाड़ियां घटनास्थल पर आग बुझाने के काम में जुटी हैं। दमकल विभाग के मुताबिक, सुबह करीब 10 बजकर 20 मिनट पर एक एक शोरूम में आग लगने की सूचना मिली थी जिसके बाद दमकल की 16 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि आग बुझाने का काम जारी है और आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। आग इतनी जबर्दस्त है कि उसने देखते ही देखते पूरे शोरूम को अपनी चपेट में ले लिया। अभी तक हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। माना जा रहा है कि आग की वजह शॉर्ट सर्किट हो सकती है। आग लगने से आस-पास के शोरूम में दहशत फैल गई थी। बता दें कि अप्रैल महीने में दिलशाद गार्डन इलाके में एमटीएनएल ऑफिस के नजदीक स्थित एक स्टेशनरी गोदाम में भी भीषण आग लग गई थी, जिसे काबू के लिए दमकल की 25 गाड़ियों और 100 से अधिक दमकल कर्मयों को कई घंटों तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी। इस घटना में दो कर्मचारियों को मामूली चोटें भी आई थीं।

32 फीसदी दलित वोट...पंजाब में कांग्रेस और बीजेपी को कितनी चुनौती दे पाएगा अकाली-बीएसपी गठबंधन

चंडीगढ़, पंजाब की सियासत में यह एक नया दिन है। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन का कुछ इस अंदाज में ऐलान किया। पंजाब में जहां एक ओर कांग्रेस अंदरूनी कलह से जूझ रही है। वहीं दूसरी ओर उसकी प्रतिद्वंद्वी अकाली दल ने विधानसभा चुनाव से पहले मायावती के साथ अलायंस का ऐलान कर बड़ा दांव खेला है। यह इसलिए भी अहम है, क्योंकि पंजाब देश का ऐसा राज्य है, जहां सबसे ज्यादा दलित आबादी रहती है। आइए समझते हैं इस गठबंधन के मायने...

पंजाब में 32 फीसदी दलित आबादी पंजाब में दलितों की आबादी 32 फीसदी है। लेकिन राज्य के अब तक के इतिहास में कोई दलित सीएम नहीं बना। जाहिर है बड़े वोट बैंक में संभावनाएं तलाशते हुए अकाली दल ने बीएसपी से हाथ मिलाने का फैसला किया है। यूपी में दलितों के बीच मजबूत पैठ रखने वाली बीएसपी के संस्थापक कांशीराम पंजाब के होशियारपुर से आते थे।

ऐसे में अकाली दल और बीएसपी की दोस्ती को सियासत में एक नए प्रयोग के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि 25 साल पहले भी दोनों दोस्ती कर चुके हैं। इस बीच अकाली दल के संरक्षक प्रकाश सिंह बादल ने बीएसपी सुप्रीमो मायावती से फोन पर बात की। बातचीत में उन्होंने मायावती से कहा, 'हम आपको जल्द ही पंजाब का दौरा करने के लिए आमंत्रित करेंगे।'दोआबा में बीएसपी ने दिखाई थी ताकत पंजाब में बीएसपी की ताकत पर नजर डालें तो दोआबा इलाके में पार्टी का असर है। होशियारपुर, कपूरथला, जालंधर और नवांशहर इसी इलाके में आते हैं। बहुजन समाज पार्टी ने इस साल फरवरी में हुए नगर निकाय चुनाव के दौरान यहां अच्छी मौजूदगी दर्ज कराई थी।

इन नगर निगमों में पार्टी ने 17 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं इन चार जिलों में बीजेपी सिर्फ 8 सीटों पर कामयाब हुई थी। दूसरी ओर अकाली दल के सिंबल पर 20 उम्मीदवार जीते थे।

'मोदीजी और कैप्टन के बीच गुप-चुप दोस्ती है', पंजाब के स्कूलों को नंबर 1 बताने पर भड़के सिसोदिया

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के बीच ''गुप-चुप दोस्ती'' होने का आरोप लगाया। केंद्र सरकार द्वारा जारी प्रदर्शन ग्रेडिंग सूचकांक (PGI) में पंजाब के स्कूलों को पहला स्थान मिलने के बाद सिसोदिया का यह बयान आया है। शनिवार को सिसोदिया ने कहा, ''कैप्टन (अमरिंदर सिंह) को मोदीजी का आशीर्वाद प्राप्त है। दिल्ली के स्कूलों को सूची में काफी नीचे जगह मिली है। पंजाब में पिछले पांच साल में करीब 800 सरकारी स्कूल बंद हुए हैं और कई स्कूलों का संचालन निजी प्रतिष्ठानों को सौंप दिया गया है, फिर भी पंजाब सूची में पहले स्थान पर है।

पंजाब विधानसभा चुनावों पर AAP की नजर पंजाब में आम आदमी पार्टी मुख्य विपक्षी दल है, भाजपा दूसरी विपक्षी पार्टी है। राज्य में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिसोदिया ने आरोप लगाया कि पंजाब के सरकारी स्कूलों में छात्रों के लिए शिक्षा व्यवस्था बहुत खराब है और अभिभावक अपने बच्चों को निजी स्कूलों में भेजना पसंद करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सूचकांक स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में पंजाब सरकार की असफलता का छुपाने का प्रयास है। उन्होंने कहा, ''हो सकता है कि बाद में (केन्द्र) सरकार रिपोर्ट जारी करे कि पंजाब के अस्पताल सबसे अच्छे हैं। मोदीजी और कैप्टन के बीच गुप-चुप दोस्ती है।''

नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली को जान से मारने की धमकी, विपक्षी विधायक पर लगा आरोप

काठमांडू, नेपाल में जारी राजनीतिक उठापठक के बीच विपक्षी नेपाली कांग्रेस के एक प्रांतीय विधायक ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को जान से मारने की धमकी दी है। धमकी देने वाले नेपाली कांग्रेस के नेता नरोत्तम बैद्या बागमती प्रांत से विधायक हैं। उन्होंने पीएम ओली के हालिया कैबिनेट विस्तार की आलोचना करते हुए उसे असंवैधानिक करार दिया। इस दौरान नेताजी का गुस्सा इतना बढ़ गया कि उन्होंने पीएम ओली को ही जान से मारने की धमकी दे डाली। विधायक ने नाथूराम गोडसे का किया जिक्र बैद्या ने हवा में हाथ उठाते हुए कहा कि ओली इस तरह से आगे बढ़ रहे हैं कि वे सत्ता में रहने और अपनी कुर्सी को बचाने के लिए शासन के हर पहलू से समझौता कर रहे हैं। अगर हम ओली को छोड़ देते हैं तो देश गिर जाएगा। उन्होंने महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे का जिक्र करते हुए देश को बचाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि अगर कोई तैयार नहीं हुआ तो इसे मैं ही करूंगा। ओली की पार्टी ने दी तीखी प्रतिक्रिया विधायक की धमकी के बाद से नेपाल में राजनीतिक घमासान और तेज हो गया है। विधायक के बयान की खुद उनकी पार्टी नेपाली कांग्रेस ने भी आलोचना की है। इसके अलावा ओली की पार्टी सीपीएन (यूएमएल) ने विधायक पर कार्रवाई की मांग की है। नेपाली कांग्रेस के प्रवक्ता बिशोप्रकाश शर्मा ने शुक्रवार देर शाम नरोत्तम बैद्या से अपना बयान वापस लेने के लिए कहा। नेपाली कांग्रेस ने बयान से पल्ला झाड़ा उन्होंने कहा कि किसी को भी अपना विवेक नहीं खोना चाहिए चाहे वह सड़क पर हो या संसद में। आपा खोने के बाद दिए गए बयानों को वापस लेना चाहिए और उस पर आत्म-मंथन की जानी चाहिए। पार्टी इस तरह के बयानों को कवर करने का कोई प्रयास नहीं करेगी।

केपी शर्मा ओली ने देश में जारी राजनीतिक संकट और व्यापक आलोचनाओं के बीच गुरुवार को एक सप्ताह में दूसरी बार अपनी

कैबिनेट का विस्तार किया था। पिछले महीने सदन में विश्वासमत प्राप्त करने में विफल रहने के बाद ओली अल्पमत की सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने अपनी कैबिनेट में 7 कैबिनेट मंत्री और एक राज्य मंत्री को शामिल किया था।

जम्मू-कश्मीर के सोपोर में सुरक्षाबलों पर ताबड़तोड़ फायरिंग, दो पुलिसकर्मी समेत चार की मौत

श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर के सोपोर इलाके में शनिवार को एक और आतंकी हमले की घटना सामने आई है। यह हमला आरामपोरा नाका पर हुआ है। बताया जा रहा है कि आतंकवादियों ने पुलिस और सीआरपीएफ की जॉइंट टीम को निशाना बनाकर ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस हमले में दो जवान शहीद हो गए हैं। वहीं दो आम नागरिकों की भी जान चली गई है। दो जवानों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उत्तरी कश्मीर के सोपोर जिले में आरामपोरा इलाका हैं। यहां पर पुलिस और सीआरपीएफ की टीम नाके पर तैनात थी। अचानक कुछ आतंकवादी वहां पहुंचे और सुरक्षाबदलों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। कश्मीर पुलिस आईजी विजय कुमार ने बताया कि इस हमले में दो पुलिसवाले शहीद हो गए हैं। अन्य पुलिसवालों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।लश्कर-ए-तैयबा ने किया हमला आईजी विजय कुमार ने बताया कि आंतकियों के हमले में दो स्थानीय लोगों को भी गोली लगी है, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आईजी ने

बताया कि हमला लश्कर-ए-तैबया। इलाके को घेरकर चल रहा तलाशी अभियान बताया जा रहा है कि हमलावर आतंकियों को पकड़ने के लिए सुरक्षाबलों ने चारों तरफ से इलाके को घेर लिया है।

तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि लगातार सुरक्षाबलों पर किया गया यह दूसरा आतंकी हमला है। शुक्रवार को भी किया था हमला शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षाबलों की एक चेक पोस्ट पर आतंकियों ने हमला किया था। अगलर इलाके में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और पुलिस का एक नाका बनाया गया था, जिसपर दोपहर के वक्त हमला हुआ था। अज्ञात हमलावरों ने यहां पर भारी गोलीबारी की, जिसके बाद सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की। जवानों की कार्रवाई के बाद हमलावर मौके से भाग निकले। पूरे इलाके को किया गया है सील घटना के तुरंत बाद पूरे इलाके को सील कर दिया गया था। यहां पर बड़ा तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान आतंकियों ने शनिवार को एक बार फिर से सुरक्षाबलों को निशाना बनाया।

वाइफ उम्म अहमद शिशिर ने किया शाकिब अल हसन का बचाव, कहा- विलेन साबित करने की हो रही है कोशिश

ढाका प्रीमियर लीग में अपने शर्मनाक बर्ताव के लिए सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हो रहे शाकिब अल हसन को वाइफ का सपोर्ट मिला है। शाकिब की पत्नी ने कहा है कि उनके पति को मीडिया पर माफी मांगी थी। शाकिब की वाइफ उम्म अहमद शिरिर ने अपने पति का बचाव करते हुए लिखा, 'मैं इस घटना को एंजॉय कर रही हूं, जैसे मीडिया कर रही है, आखिरकार कुछ न्यूज यह उनके खिलाफ एक साजिश है, जिसमें उनको हर हाल में विलेन दिखाने की कोशिश की जा रही है। अगर आप एक क्रिकेट लवर हैं तो अपने एक्शन को लेकर सर्तक रहें।' शाकिब ने

इससे पहले अपने शर्मनाक बर्ताव के लिए माफी मांगी थी। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, 'प्रिय फैन्स और फॉलोवर। मैं माफी मांगता हूं अपना आपा खोने और इस तरह से सभी के लिए मैच को बर्बाद करने के लिए, खासतौर पर उन लोगों से जो विलेन साबित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्य मुद्दे को दबाया जा रहा है और मीडिया सिर्फ शाकिब के गुस्से को हाइलाइट कर रही है। दरअसल, शाकिब एलबीडब्ल्यू की अपील पर अंपायर द्वारा नॉटआउट करार दिए जाने के बाद अंपायर से भिड़ पड़े थे और उन्होंने स्टंप्स पर भी लात मारी थी। हालांकि, शाकिब ने मैच के बाद अपने बर्ताव के लिए सोशल आई टीवी पर। लोगों का सपोर्ट देखकर काफी अच्छा लगा, जिन्होंने आज की घटना की क्लियर पिक्चर देखी, कम से कम किसी में तो सभी ओड्स के खिलाफ खड़े होने की हिम्मत है। हालांकि, यह दुखद है कि मीडिया ने मैन इशू को दफन कर दिया और सिर्फ उनके गुस्से को दिखाया। मैन इशू अंपायर के फैसले थे। हेडलाइन काफी दुख पहुंचाने वाली थीं। मेरे हिसाब से घर पर बैठकर यह मुकबला देख रहे थे। मेरे जैसे एक अनुभवी खिलाड़ी को इस तरह का बर्ताव नहीं करना चाहिए, लेकिन कभी-कभी सब ऑड्स के खिलाफ दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से ऐसा हो जाता है। मैं टीमों से, मैनेजमेंट से, टूर्नामेंट के ऑफिशिल्स से और टूर्नामेंट के आयोजकों से इस भूल के लिए माफी मांगता हूं। उम्मीद है कि भविष्य में मैं इस तरह की बर्ताव फिर कभी नहीं करूंगा।

रोहित शर्मा की काबिलियत पर है वीरेंद्र सहवाग को पूरा भरोसा, कहा- ट्रेंट बोल्ट के साथ मुकाबला होगा दिलचस्प

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अब महज कुछ दिन का समय शेष है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जाने वाले फाइनल मुकाबले का तमाम क्रिकेट फैन्स को बेसब्री से इतंजार है।

दोनों ही टीमों के पास दमदार बैटिंग और बॉलिंग अटैक मौजूद है, ऐसे में हर किसी को यह उम्मीद है कि डब्ल्यूटीसी का फाइनल मैच काफी रोमांचक होने वाला है। इसी बीच, भारत के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि रोहित के बल्ले से फाइनल में रन निकलेंगे और उनके और ट्रेंट बोल्ट के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। सहवाग ने पीटीआई से कहा, ''इसमें कोई शक नहीं कि ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी की जोड़ी भारतीयों के लिए काफी चुनौतियां पेश करेगी। वे दोनों तरीकों से गेंद को मूव कर सकते हैं और साझेदारी में गेंदबाजी करते हुए भी काफी शानदार हैं। मैं बोल्ट बनाम रोहित शर्मा के बीच मुकाबला देखना चाहूंगा।

अगर रोहित क्रीज पर जम जाते हैं और बोल्ट के शुरूआती स्पैल को खेलते हैं तो इसे देखना अद्भुत होगा।' रोहित के लिए इंग्लैंड के परिस्थितियों में पारी आगाज करने का पहला मौका होगा, हालांकि उन्हें 2014 में टेस्ट खेलने के अनुभव से निश्चित रूप से मदद मिलेगी। लंबे फॉर्मेट में भारत के शानदार मैच विजेताओं में से एक रहे सहवाग ने कहा, 'रोहित शानदार बल्लेबाज हैं और वह पहले भी (2014) में इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट खेल चुके हैं इसलिए मुझे लगता है कि वह काफी अच्छी तरह से गेंदबाजों का सामना करेंगे जैसा कि हमने हाल में देखा जब उन्होंने बल्लेबाजी का आगाज किया था। इसमें कोई शक नहीं कि वह इस बार इंग्लैंड में रन बनाएंगे। निश्चित रूप से किसी भी सलामी बल्लेबाज की तरह उन्हें पहले 10 ओवरों में काफी सतर्क रहना होगा और परिस्थितियों को समझने के लिए नई गेंद को खेलना होगा। मुझे पूरा भरोसा है कि उन्हें अपने स्ट्रोक्स खेलने का मौका मिलेगा।'

वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर माइकल होल्डिंग ने की इंग्लैंड टीम के 'मोमेंट ऑफ यूनिटी' की आलोचना

वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज माइकल होल्डिंग ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड क्रिकेट टीम के ' मोमेंट ऑफ यूनिटी (एकजुटता दिखने का क्षण) की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह 'ब्लैक लाइव्स मैटर (बीएलएम) आंदोलन का समर्थन नहीं कर रहा था, बल्कि

'ऑल लाइव्स मैटर (सभी का जीवन मायने रखता है) से जुडी सोच को दर्शा रहा है। इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के दौरान बीएलएम (अश्वेत लोगों का जीवन मायने रखता है) आंदोलन के समय घुटने नहीं टेकने का फैसला करते हुए किसी भी नस्लवाद, धार्मिक असहिष्णुता, लिंगवाद और अन्य भेदभाव के खिलाफ संदेश वाली टी-शर्ट पहनी थी। होल्डिंग क्रिकेट और व्यापक समुदाय में समानता का समर्थन करते है और उनका मानना है कि इंग्लैंड के खिलाड़ी बीएलएम आंदोलन का समर्थन करने के बजाय फिर से 'ऑल लाइव्स मैटर जैसा दिखावा कर रहे है।

इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दो जून से शुरू हुये पहले टेस्ट मैच के दौरान भी भेदभाव के खिलाफ 'मोमेंट ऑफ यूनिटी का संदेश देता हुए टी-शर्ट पहना था। होल्डिंग ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, " इंग्लैंड (क्रिकेट) टीम 'मोमेंट ऑफ यूनिटी के साथ अभी क्या कर रही है, यह ब्लैक लाइव्स मैटर का समर्थन नहीं कर रहा है।

विराट नहीं इस भारतीय बल्लेबाज की बड़ी फैन हैं भारतीय कप्तान की बहन भावना कोहली

विराट कोहली की गिनती विश्व के बेस्ट बल्लेबाजों में की जाती है। इंटरनेशनल क्रिकेट में विराट रिकॉर्ड्स के बादशाह हैं और हर फॉर्मेट में उनका बल्ला जमकर बोलता है। विराट उन चुनिंदा बल्लेबाजों में से एक हैं, जिनका तीनों ही फॉर्मेट में औसत 50 से अधिक का है। अबतक अपने करियर में 70 शतक लगा चुके विराट जब फॉर्म में होते हैं, तो विश्व का बड़े से बड़ा गेंदबाज भी उनके आगे पानी मांगता नजर आता है। हालंकि,

भारतीय कप्तान की बहन भावना कोहली अपने भाई की बहुत बड़ी फैन नहीं हैं। भावना ने बताया कि वह भारत के पूर्व बल्लेबाज राहुल द्रविड़ की बहुत बड़ी फैन रही हैं। हाल ही में विराट कोहली की बड़ी बहन भावना कोहली ने इंस्टाग्राम पर फैन्स के लिए सवाल-जवाब का सेशन रखा। इस दौरान उनसे एक फैन ने पूछा, 'आपका फेवरेट बल्लेबाज कौन है? आपका भाई विराट कोहली या फिर कोई और।' इस पर भावना ने जवाब देते हुए कहा, 'जाहिर तौर पर विराट है, लेकिन मैं राहुल द्रविड़ की भी बहुत बड़ी फैन रही हों।' यहां विराट और अनुष्का के फैंस ने कपल से जुड़ा हुआ सवाल भावना से पूछा। एक यूजर ने लिखा कि 'क्या आप वामिका से मिली हैं? वो किसकी तरह ज्यादा दिखती है अनुष्का या विराट?' इस पर जवाब देते हुए कोहली की बहन ने कहा, 'हां हम मिले हैं और वह एक एंजेल है।' इसके साथ भावना ने प्यार जताने वाला इमोजी पोस्ट किया।

'छोटे' समूह दुनिया पर राज नहीं करते...एक्शन के डर से चीन ने G-7 को दी यह चेतावनी

दक्षिण पश्चिम इंग्लैंड के कार्बिस बे में शुक्रवार को शुरू हुए जी-7 देशों के सम्मेलन से चीन बुरी तरह चिढ़ गया है। इस समूह को अपने खिलाफ गुटबाजी के तौर पर देखते हुए चीन ने रविवार को धमकी भरे अंदाज में यहां तक कह दिया कि वह दौर काफी पहले हमेशा यह मानते हैं कि देश बड़ा हो या छोटा, मजबूत हो या कमजोर, गरीब हो या अमीर सभी बराबर हैं और दुनिया से जुड़े मुद्दों पर सभी देशों के सलाह-मशविरे के बाद भी फैसला लिया जाना चाहिए।' जी-7 के नेताओं ने चीन के वैश्विक अभियान के साथ

खत्म हो चुका जब कुछ देशों के 'छोटे समूह' दुनिया की तकदीर का फैसला करते थे।

लंदन में चीनी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा, 'वह समय काफी पहले बीत गया, जब देशों के छोटे समूह वैश्विक फैसले लिया करते थे। हम प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक बुनियादी ढांचा योजना का अनावरण किया है लेकिन फिलहाल इस पर सहमति नहीं बन पाई है कि मानवाधिकारों के उल्लंघन पर चीन को किस तरह रोका जाए। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने जी-7 शिखर सम्मेलन में लोकतांत्रिक देशों पर बंधुआ मजदूरी प्रथाओं को लेकर चीन के बहिष्कार का दबाव बनाने की योजना तैयार की है। वहीं, शनिवार को कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने चीन को लेकर हुई चर्चा की अगुवाई की। उन्होंने सभी नेताओं से अपील की कि वे चीन की ओर से बढ़ते खतरे को रोकने के लिए संयुक्त कदम उठाएं। बता दें कि जी-7 देश विकासशील देशों को ऐसे बुनियादी ढांचे की स्कीम का हिस्सा बनने का प्रस्ताव देने की योजना बना रहे हैं, जो चीन की अरबों-खरब डॉलर वाली बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव को टक्कर दे सके। दक्षिण पश्चिम इंग्लैंड के कार्बिस बे में शुक्रवार को शुरू हुआ यह सम्मेलन रविवार यानी आज संपन्न होगा। जी-7 कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका का एक समूह है।

G-7 का बढ़ा प्रेशर तो WHO की भी निकली आवाज, चीन को बोला- कोरोना उत्पत्ति की जांच में मदद करो

दुनिया भर में पिछले डेढ़ साल से कोरोना वायरस ने तबाही मचा रखी है। करोड़ों लोग इसकी चपेट में आए, जबकि लाखों लोगों ने अपनी जान गंवाई। वहीं चीन पर कोरोना वायरस को वुहान लैब में बनाने के आरोप लगते रहे हैं। इसकी जांच को लेकर अब ड्रैगन पर दबाव बढ़ता जा रहा है। अब विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस घेबियस ने चीन से कोविड-19 की उत्पत्ति की चल रही जांच में सहयोग करने को कहा है। जांच में सहयोग करे चीन द वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्ल्यूएसजे) की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद डॉ टेड्रोस ने ये बात कही। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ने कहा कि हमें उम्मीद है कि अब जब वायरस के ओरिजन की जांच का अगला

चरण चल रहा होगा तो बेहतर सहयोग और ट्रांसपेरेंसी होगी। उन्होंने कहा "जैसा कि आप सब जानते हैं कि हमें इस वायरस की उत्पत्ति को समझने या जानने के लिए पारदर्शिता की आवश्यकता है और इसलिए हमें चीनी पक्ष से सहयोग चाहिए। इससे पहले रिपोर्ट जारी होने के बाद डेटा साझा करने में कठिनाइयां थीं, खासकर रॉ डेटा में।" द वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार उन्होंने आगे कहा कि जांच के अगले कदम की तैयारी चल रही है। साथ ही जी-7 के नेताओं ने शनिवार को वायरस की उत्पत्ति के मुद्दे पर चर्चा की है।

पहले कुछ और थे WHO के सुर बता दें कि कुछ समय पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने कहा था कि वो चीन को मजबूर नहीं कर सकता कि चीन वायरस की उत्पत्ति को लेकर और अधिक आकड़े पेश करे। दरअसल, डब्लूएचओ ने कहा था कि चीन पर दबाव बनान उचित नहीं लेकिन इस बात की जांच लगातार चलती रहेगी कि आखिरकार वायरस कहां से आया और कैसे इस तरह दुनियाभर में फैल गया। आरोप मानने को तैयार नहीं चीन बता दें कि चीन अपनी लैब से वायरस लीक के इन आरोपों को लगातार खरिज करता रहा है। उसका कहना है कि वायरस वुहान में फैलने से पहले दूसरे इलाकों में फैला था। चीन का कहना है कि हो सकता है वायरस बाहर से आए खाने की शिपमेंट या जंगली जानवरों, व्यापार के जरिए चीन में फैला हो।

तंगहाली का रोना रोने वाले पाकिस्तान ने बढ़ाया रक्षा बजट, सिर्फ सेना पर खर्च होगा कुल बजट का बड़ा हिस्सा

कंगाली में जी रहे पाकिस्तान के पास न तो अरब देशों का कर्ज चुकाने को पैसा है और न ही देश में विकास कार्यों के लिए। कोरोना महामारी के बीच भी पाकिस्तान चीन की दी हुई वैक्सीन से काम चला रहा है लेकिन अभी तक उसने वैक्सीन खरीदी नहीं है। देश में गंभीर खाद्य संकट पैदा होने की चेतावनी दी जा रही है, इस तरह की मगर तंगहाली में भी पाकिस्तान हथियारों पर पैसे खर्च करने से पीछे नहीं हट रहा। इसकी झलक पाकिस्तान के नए बजट में देखने को मिल रही है, जिसका 16 फीसदी से भी ज्यादा हिस्सा रक्षा क्षेत्र के लिए आवंटित किया गया है। सिर्फ पाकिस्तानी सेना के लिए आवंटित बजट की बात करें तो यह कुल बजट का 7 फीसदी है। पाकिस्तान सरकार ने बीते शुक्रवार को नए वित्त वर्ष के लिए 8 लाख 48 हजार 700 करोड़ रुपये का बजट पेश किया जिसमें 1 लाख 37 हजार करोड़ रुपए का रक्षा बजट शामिल है जो पिछले साल के मुकाबले 8,100 करोड़ रुपये अधिक है। पिछले साल पाकिस्तान का रक्षा बजट 1 लाख 28 हजार 900 करोड़ रुपये का था। बजट दस्तावेज के अनुसार रक्षा व्यय 1,370 अरब रुपये रहने का अनुमान है। मंत्री ने और न ही बजट दस्तावेजों में रक्षा व्यय के बारे में कोई ब्यौरा दिया गया। इसे अक्सर गोपनीय रखा जाता है। वित्त मंत्री शौकत तारिन ने नेशनल असेंबली में वित्त वर्ष 2021-22 का बजट पेश करते हुए कहा कि सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के विकास कार्यक्रम (पीएसडीपी) के तहत 2,135 अरब रुपये आबंटित किए हैं। यह पिछले साल के मुकाबले 37 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा, "हमारा वित्त वर्ष 2021-22 के लिये जीडीपी वृद्धि दर लक्ष्य 4.8 प्रतिशत है। लेकिन हमने वृद्धि को गति देने के लिये जो उपाय किये हैं, यह उससे अधिक रह सकती है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार आने वाले वर्षों में 6 से 7 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रही है।

अमेरिका के तीन राज्यों में गोलीबारी की घटनाओं में दो लोगों की मौत, 30 घायल

अमेरिका के तीन राज्यों में देर रात हुई गोलीबारी की घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गयी और कम से कम 30 अन्य लोग घायल हो गये। अधिकारियों ने इस बारे में बताया। इन घटनाओं ने अमेरिका में हिंसा के इस प्रकार के मामलों में और इजाफा होने की आशंका बढ़ा दी है क्योंकि गर्मियां शुरू हो चुकी हैं और कोरोना वायरस के कारण लगी पाबंदियों में ढील के कारण लोगों को एक दूसरे से मिलने-जुलने की इजाजत मिल गयी है। ये घटनाएं शुक्रवार और शनिवार की रात टेक्सास की राजधानी ऑस्टिन, शिकागो और जॉर्जिया के सवाना में हुईं। ऑस्टिन में पुलिस ने एक संदिग्ध को पकड़ लिया है और अन्य की तलाश कर रही है। ऑस्टिन में गोलीबारी की घटना में 14 लोग घायल हुए हैं। ऑस्टिन पुलिस

विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए 'यूएस मार्शल्स लोन स्टार फ्यूजिटिव टास्क फोर्स की मदद ली जा रही है हालांकि उन्होंने इस संबंध में और अधिक जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि वे सुरागों के आधार पर संदिग्ध को पकड़ने का प्रयास कर रहे हैं जो अब भी फरार है। अंतरिम पुलिस प्रमुख जोसेफ चाकोन ने बताया कि गोलीबारी की घटना रात करीब डेढ़ बजे सड़क पर हुई। सड़क किनारे कई बार हैं और वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए अवरोधक लगाये गये हैं। उन्होंने बताया कि जांच अधिकारियों का मानना है कि दो पक्षों में विवाद के बाद गोलीबारी की शुरुआत हुई। चाकोन ने बताया कि दोनों संदिग्ध पुरुष हैं और मामले की जांच जारी है। उन्होंने बताया, "अधिकतर पीड़ित बेकसूर पैदल यात्री हैं, लेकिन हम इस बात का पता लगा रहे हैं कि घटना के वक्त वे वहां क्यों मौजूद थे।

जैसमीन कौर जल्द नज़र आएंगी फिमी प्रोडक्शंस के नई म्यूजिक वीडियो में

पंजाबी कुड़ी जैसमीन कौर महेश भट्ट की फ़िल्म आशिकी 3 में काम करना चाहती हैं। मॉडलिंग से शुरुआत करने वाली जैस्मीन कौर ने कई वेब सीरीज, फिल्मो में काम किया है और अब वो श्रद्धा कपूर वाला रोल करने का ड्रीम देख रही हैं। वो कहती हैं "आशिकी 3 में काम करना मेरा ख्वाब है। आशिकी 2 मैंने बहुत बार दिल से देखी है और मुझे विश्वास है कि श्रद्धा कपूर वाली भूमिका मैं निभा लूँगी।"

गौरतलब है कि जैसमीन कौर ने नागपुर में 14 साल की उम्र में मॉडलिंग से अपना करियर शुरू किया। यहां उन्होंने कई ब्यूटी पेजेंट में भी हिस्सा लिया। बतौर मॉडल कई शोज़ भी किए। थिअटर भी किया। एमएक्स प्लेयर के लिए उन्होंने पहला प्रोजेक्ट किया। उन्होंने वेब सीरीज दृष्टि भरम में काम किया। एक ऑडीशन के जरिये यह वेब सीरीज उन्हें मिली। यह एक क्राइम थ्रिलर सब्जेक्ट था जिसमे उनका किरदार एक साइक्लोजिस्ट का था। यह काफी चुनौतीपूर्ण और पॉवर फुल कैरेक्टर था। फिर मिस यूनिवर्स के मुकाबले में भी उन्होंने भाग लिया। जहां वो टॉप 20 तक पहुंची और मिस दिवा में वह फाइनलिस्ट थीं। मिस महाराष्ट्र क्वीन का खिताब भी उन्होंने जीता। उन्हें घर का पूरा सपोर्ट मिला है, यहां तक कि उनके लिए उनकी फैमिली मुम्बई शिफ्ट हो गई है।

एक म्यूज़िक वीडियो तू न सही में भी काम किया है।

2 तेलगु फिल्मो की शूटिंग जैस्मीन ने कम्प्लीट कर ली है जो जल्द रिलिज होंगी। काजल अग्रवाल के साथ भी उन्होंने साउथ की एक मूवी की है। ज़ी5 ओरिजनल के लिए उन्होंने एक रोमांटिक कॉमेडी वेब सीरीज "श्री हाफ बॉटल्स" में भी काम किया है।

हाल ही में उन्होंने एक फीचर फिल्म "रंगीन" की शूटिंग पूरी की है जिसमे उन्होंने विजय राज के साथ स्क्रीन शेयर किया है।

जैस्मीन कौर देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा से बेहद प्रभावित हैं। वो कहती हैं कि प्रियंका चोपड़ा को जो चाहिए था, उसे उन्होंने अपनी मेहनत और टैलेंट से अचीव किया और इंडिया को इंटरनेशनल लेवल पर रिप्रेजेंट किया है। वो वाकई हम जैसी लड़कियों के लिए प्रेरणा रही हैं।

जैस्मीन श्रीदेवी जैसे किरदार फिल्मो में करना चाहती हैं। खुद को एक वर्सटाइल ऐक्ट्रेस मानने वाली जैस्मीन कौर हर तरह की भूमिकाएं करने की इच्छुक हैं। वो डी ग्लैम और परफॉर्मेंस ओरिएंटेड रोल करना चाहती हैं। इसीलिए वो श्रीदेवी को बहुत फॉलो करती हैं।

भविष्य में शाहरुख खान के साथ स्क्रीन शेयर करने का वो सपना देखती हैं क्योंकि किंग खान को वो फॉलो करती हैं, उनके एटीट्यूड और उनके जज़्बे को सलाम करती हैं।

वेब सीरीज को वह एक बेहतर प्लेटफॉर्म मानती हैं। इंटिमेट सीन के मामले में उन्होंने अपने लिए एक सीमा तय कर रखी है। आजकल रिलीज हो रहे स्टोरी बेस्ड म्यूज़िक वीडियो के चलन को भी वो अच्छी पहल मानती हैं। जैसमीन कौर सुमीन भट्ट के साथ एक म्यूज़िक वीडियो फिमी प्रोडक्शन के बैनर तले कर रही हैं और एक अनटाइटल्ड मूवी भी इसी बैनर की कर रही हैं।

तीन महीने में इतनी तरक्की!

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने फिल्म 'लेडीज वर्सेस रिकी बहल' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। बहुत से लोग ये नहीं जानते होंगे कि इस फिल्म से पहले वह अभिनेत्री अनुष्का शर्मा की पीआर का काम संभालती थी लेकिन अनुष्का से जुड़ने के महज तीन महीने में उन्होंने जबरदस्त तरक्की की और 'लेडीज वर्सेस रिकी बहल' में उनकी को स्टार बन गई।

इंस्टाग्राम पर एक 'आस्क मी एनिथिंग' सेशन में एक यूजर ने जब उनके और अनुष्का शर्मा के बीच तालमेल के बारे में पूछा। तो जवाब में उन्होंने कहा, 'बैंड बाजा बारात' के लिए अनुष्का के इंटरव्यू हैंडल करने से लेकर 'लेडीज वर्सेस रिकी बहल' में उनकी को-स्टार बनने का फासला मैंने ३ महीने में तय किया। उनके लिए बहुत सम्मान है।' इसके तुरंत बाद अनुष्का शर्मा ने परिणीति चोपड़ा के उक्त बयान पर प्रतिक्रिया दी है। अनुष्का ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में परिणीति का पोस्ट लगाया और लिखा, 'बिग हग्स (मेरी ओर से बड़ी झप्पियां)।'

जैकी ने किया पानी-पानी

मुंबई में मानसून का जोरदार आगाज हो गया है। इसी बीच रैपर व सिंगर बादशाह और जैकलीन फर्नांडीज का नया गाना 'पानी-पानी' भी रिलीज हो गया है। यह सॉन्ग रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। बादशाह और जैकलीन की केमिस्ट्री भी देखने लायक है।

गेंदा पूâल के बाद दोनों दोबारा इस शानदार म्यूजिक वीडियो के साथ लौट आए हैं।

इस पेप्पी ट्रैक को बादशाह ने लिखा है और म्यूजिक भी दिया है।

बादशाह के अलावा आस्था गिल ने भी इस गाने को अपनी आवाज से सजाया है।

मीरा ने महसूस किया 'रेड लाइट' की महिलाओं का दर्द

अभिनेत्री व प्रियंका चोपड़ा की कजन व वेब सीरीज 'द टैटू मर्डर्स' की अभिनेत्री मीरा चोपड़ा ने देह व्यापार को सिस्टमैटिक रैकेट बताया है। 'द टैटू मर्डर्स' मुंबई के रेड लाइट क्षेत्र पर आधारित है। मीरा ने कहा कि रेड लाइट क्षेत्र की अधिकतर महिलाओं को वहां जबरन लाया जाता है। उन्हें वहां भयंकर अत्याचार सहना पड़ता है। उनका शारीरिक, मानसिक और आर्थिक शोषण किया जाता है। उनकी अधिकतर कमाई वेश्यालय की मालकिनें / दलाल ले लेते हैं। प्राय: उन्हें सामाजिक और कानूनी मदद भी नहीं मिल पाती है।

टीजर से फैली सनसनी

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू की अपकमिंग फिल्म 'हसीन दिलरुबा' का टीजर रिलीज हो चुका है। इसी के साथ फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। यह फिल्म विनील मैथ्यू के डायरेक्शन में बनी मर्डर मिस्ट्री है, जो २ जुलाई २०२१ को रिलीज की जाएगी।

तापसी पन्नू ने फिल्म का टीजर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, वहीं उनके अलावा फिल्म में को-स्टार विक्रांत मैसी और हर्षवर्धन राणे ने भी टीजर अपने-अपने सोशल अकाउंट पर शेयर किया है। इस फिल्म के टीजर को शेयर करते हुए तीनों स्टार्स ने लिखा है, 'प्यार के तीन रंग, खून के छींटों के संग।' इस टीजर में तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी को एक विवाहित जोड़े के रूप में दिखाया गया है। इसी के साथ, तापसी पन्नू का हर्षवर्धन राणे के साथ भी रिश्ता जुड़ता है। अंत में किसी एक की हत्या हो जाती है। इस मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म 'हसीन दिलरुबा' की टीजर को काफी पसंद किया जा रहा है। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। वर्वâ प्रंâट की बात करें तो तापसी पन्नू आनेवाले समय में 'जन गण मन', 'रश्ि‍म रॉकेट', 'लूप लपेटा', मिताली राज की बायोपिक 'शाबाश मिठ्ठू' और 'दोबारा' जैसी फिल्मों में दिखाई देंगी।

शिल्पा शेट्टी हुईं पति राज कुंद्रा से नाराज, Ex-वाइफ कविता से जुड़ा है मामला

एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा हाल ही में अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर जबरदस्त सुर्खियों में आ गए हैं। राज कुंद्रा की एक्स वाइफ कविता कुंद्रा ने एक इंटरव्यू के दौरान शिल्पा पर अपनी शादी टूटने का आरोप मढ़ दिया था। वहीं, अब कविता के इसी आरोप पर राज ने जवाब दिया है।

उन्होंने कविता पर बेवफाई का आरोप लगाते हुए बताया कि उनसे तलाक लेने का असली कारण क्या था। इस दौरान राज ने ये भी बताया है कि उनकी पत्नी शिल्पा उनसे नाराज हैं और ये मामला भी राज की एक्स-वाइफ कविता से जुड़ा हुआ है।

राज कुंद्रा और कविता कुंद्रा का तलाक 2006 में हुआ था। इसके बाद उन्होंने 2009 में शिल्पा शेट्टी से शादी की थी।

वहीं, अब जाकर राज ने कविता से अपने तालक को लेकर चुप्पी तोड़ी है। उनका कहना है कि कविता ने उन्हें चीट किया था। राज का आरोप है कि कविता का उनकी बहन के पति के साथ अफेयर चल रहा था। राज का कहना है कि उन्होंने कविता से तलाक और उनकी बेवफाई पर जवाब देने का फैसला कविता द्वारा दिए एक पुराने इंटरव्यू के वायरल होने के बाद किया है। इस इंटरव्यू में कविता ने शिल्पा को तलाक के लिए जिम्मेदार ठहराया था। राज का कहना है कि 'जब मैंने शिल्पा को फिर से वायरल हो रहे पुराने आर्टिकल भेजे तो वो नहीं चाहती थीं कि मैं इसे लेकर कुछ बोलूं। इन आर्टिकल के वायरल होने की टाइमिंग ने मुझे परेशान कर दिया, ये शिल्पा के बर्थडे के बाद वायरल हो रहे थे, बहुत हो गया था। शिल्पा नाराज हैं कि मैंने अपने दिल की बात कही है लेकिन सच को बाहर आना चाहिए था'। राज का कहना है कि अब वो काफी हल्का महसूस कर रहे हैं।

IAS की तैयारी करने वाले छात्रों को फ्री कोचिंग देंगे सोनू सूद

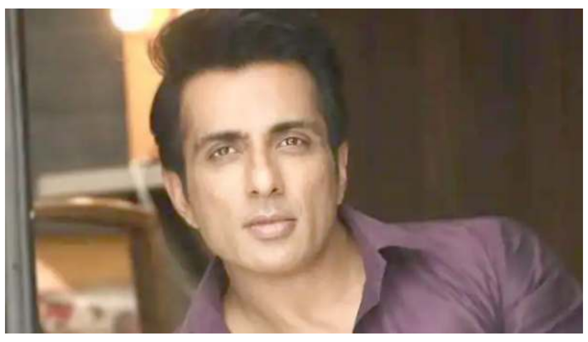

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद कोरोना वायरस की पहली लहर से लेकर दूसरी लहर तक जरूरतमंदों की लगातार मदद कर रहे हैं। इतना ही नहीं वह गरीब बच्चों को फ्री एजुकेशन देने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों से अपील भी कर चुके हैं। इसी बीच एक्टर ने शिक्षा के क्षेत्र में एक और सराहनीय काम करने का फैसला किया है।

जी हां! एक्टर ने अब सिविल सर्विस परीक्षा (यूपीएससी) की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए कोचिंग स्कॉलरशिप देने का फैसला किया है। इस बात की जानकारी एक्टर ने खुद अपने सोशल पोस्ट से की है। उन्होंने अपने ट्वीट में बताया है कि IAS एग्जाम की तैयारी करने वाले छात्रों की मदद के लिए उन्होंने एक नई पहल "संभवम" शुरू की है।

मुफ्त कोचिंग देने की जानकारी देते हुए एक्टर ने ट्वीट में लिखा, "करनी है आईएएस की तैयारी... हम लेंगे आपकी जिम्मेदारी। " संभवम (SAMBHAVAM)" के लॉन्च की घोषणा करते हुए काफी रोमांचित हूं। ये सूद चैरिटी फाउंडेशन और दिया दिल्ली की एक पहल है।"

इसकी जानकारी देते हुए एक्टर ने एक फोटो भी शेयर किया है, जिसमें कोचिंग के बारे में बहुत सी जानकारी के साथ उनकी तस्वीर भी छपी है। फोटो के ऊपर लिखा है, "मैं इच्छुक उम्मीदवारों के लिए मुफ्त IAS कोचिंग स्कॉलरशिप देने का वादा किया है"।

आपको बता दें कि एक्टर के फैन्स ने महामारी में उनके सराहनीय काम के लिए उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित करने का आग्रह किया है।

पीटीआई के अनुसार, केंद्र सरकार ने नागरिकों से पद्म विभूषण सम्मान के लिए सुझाव मांगे थे।

टॉलीवुड स्टार ब्रह्माजी ने सोनू सूद को इस सम्मान के लिए सही समझा और उनका नाम इस पुरस्कार के लिए आगे किया।

क्या 'नागिन' फेम अनीता हसनंदानी ने टीवी इंडस्ट्री को कह दिया अलविदा?

'नागिन' फेम अभिनेत्री अनीता हसनंदानी अपनी निजी जिंदगी में व्यस्त हैं। बेटे आरव रेड्डी के जन्म के बाद उनका पूरा ध्यान परिवार पर है। बीते दिनों अनीता के बारे में ऐसी खबरें आईं कि उन्होंने टीवी इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया है। दरअसल अनीता ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया जिसके बाद ये कहा जाने लगा कि इंडस्ट्री छोड़ अब वो परिवार के साथ ही वक्त बिताना चाहती हैं। उनके फैंस को जब ये बता चला तो उन्हें निराशा हुई। अब अनीता ने अपने करियर को लेकर एक ट्वीट किया और बताया कि क्या उन्होंने वाकई टीवी की दुनिया को छोड़ने का फैसला किया है।

इंटरव्यू में क्या कहा था

अपने इंटरव्यू में अनीता ने कहा था कि 'मैंने तय किया था कि जब भी मेरा बच्चा होगा तो मैं इंडस्ट्री और अपने काम को छोड़ दूंगी। मैं अब केवल अपने बेटे की मां के रोल पर फोकस करना चाहती हूं। महामारी की वजह से नहीं बल्कि मैं तो वैसे ही इंडस्ट्री छोड़ने वाली थी। मैं घर पर अपने बच्चे के साथ रहना चाहती हूं। ईमानदारी से कहूं तो काम अभी मेरे दिमाग में है ही नहीं। मैं वाकई नहीं जानती कि मैं कब वापस लौटूंगी।' उनके इसी बयान के बाद मीडिया में ये खबर छा गई कि अनीता ने इंडस्ट्री छोड़ दी है। अब इन खबरों पर अनीता ने सफाई दी और इससे इनकार किया है। अनीता ने अपने ट्वीट में लिखा कि 'हर जगह यह है कि मैं अपने पहले प्यार एक्टिंग को छोड़ रही हूं। मैंने ऐसा कभी नहीं कहा। मैं कहा था कि अभी मेरा फोकस मेरे बच्चे पर है। आरव मेरी पहली प्राथमिकता है।

ऐश्वर्या राय को ऑफर हुई थी "कुछ कुछ होता है, किस डर से नहीं की फिल्म

1998 में रिलीज हुई रोमाटिक फिल्म 'कुछ कुछ होता है' के जरिए फिल्म मेकर करण जौहर ने बतौर निर्देशक बॉलीवुड में कदम रखा था। हालांकि इन स्टार्स को एक साथ लाने से पहले करण ने कई सितारों से संपर्क किया था, खासकर टीना की भूमिका के लिए। इसमें से एक थीं ऐश्वर्या राय बच्चन। करण ने रानी का रोल पहले ऐश्वर्या को ऑफर किया गया था। करण ने जब इस फिल्म के लिए ऐश्वर्या राय से संपर्क किया था, तब वह बॉलीवुड में न्यूकमर थीं और उन्होंने सिर्फ तीन फिल्में की थीं। लेकिन ऐश्वर्या ने करण के इस ऑफर को ये कहकर रिजेक्ट कर दी थी कि अगर इस फिल्म में काम की तो मेरी लिचिंग हो जाती।' फिल्मफेयर से बात करते हुए, ऐश्वर्या ने कहा था, 'मैं वास्तव में एक कैच-22 स्थिति में हूं। हालांकि मैं एक नई आई एक्ट्रेस हूं, लेकिन मेरी तुलना भी सीनियर अभिनेत्रियों से की जाती थी। ' वह कहती हैं कि अगर मैं फिल्म करती तो ये कहकर चिढ़ाया जाता कि देखो ऐश्वर्या राय वही कर रही है जो वो अपने मॉडलिंग के दिनों में करती थी। जैसे अपने बालों को स्ट्रेट रखना और हमेशा खुले रखना , मिनी स्कर्ट पहनकर कैमरे में पोज देना।

...खौलता है रकुलप्रीत का खून

एक तरफ पूरी दुनिया कोरोना जैसी गंभीर वैश्विक महामारी से जूझ रही है। वहीं दूसरी तरफ देश में आए दिन रेप की सनसनीखेज खबरें भी सामने आती रही हैं। कोरोना काल में बढ़ते रेप के मामलों पर एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह का गुस्सा पूâट पड़ा है। उन्होंने कहा कि वह जब भी अखबार उठाकर देखती हैं और रेप से जुड़ी खबरें पढ़ती हैं तो उनका खून खौल उठता है। एक वेबसाइट को दिए इंटरव्यू के दौरान रकुल ने कहा-'लोग मर रहे हैं और पूरी दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही है और फिर ऐसे लोग भी हैं (जो ऐसे घिनौने काम कर रहे हैं)। मुझे समझ नहीं आता कि क्या कहूं? कभी-कभी तो आपको एक क्वेश्चन मार्वâ दिखने लगता है कि हमें इंसान कहा जाना चाहिए या नहीं?' रकुल प्रीत ने हाल ही कोरोना से जूझ रहे लोगों के लिए एक पंâड इकट्ठा करने के लिए एक वैंâपेन शुरू किया था।

हाइब्रिड लर्निंग-शिक्षा में सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी)

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

पारंपरिक शिक्षण अधिगम के साथ-साथ आईसीटी आधारित शिक्षण, शिक्षार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों के लिए अधिक उत्पादक और समृद्ध साबित हुआ है।

दुनिया भर में जिन दो शैक्षिक विधियों का पालन किया जाता है, वे हैं पारंपरिक शिक्षण और प्रौद्योगिकी-आधारित संकर शिक्षा। शिक्षण और सीखने की पारंपरिक पद्धति में शिक्षकों और छात्रों की सीधी बातचीत शामिल है, अधिमानतः कक्षा, प्रयोगशालाओं और संगोष्ठी हॉल में।

हाइब्रिड लर्निंग तकनीक आधारित शिक्षा है, जहां शिक्षक और छात्र विभिन्न स्मार्ट गैजेट्स, जैसे स्मार्ट फोन, कंप्यूटर, ऑडियो और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, चैट रूम, वेबकास्ट आदि के साथ अप्रत्यक्ष रूप से बातचीत करते हैं। धीरे-धीरे, अधिक से अधिक संस्थान पारंपरिक शिक्षण प्रणाली पर आईसीटी आधारित शिक्षा के एक संकर मॉडल में स्थानांतरित हो रहे हैं।

सीखने की पारंपरिक पद्धति की तुलना में हाइब्रिड शिक्षण अधिक फायदेमंद है, इसके कुछ फायदे हैं:

1. यह सीखने की प्रक्रिया को और अधिक रोचक बनाकर छात्रों को प्रोत्साहित करता है।
2. यह समय का लचीलापन प्रदान करता है।
3. संकाय व्याख्यान सामग्री को संशोधित कर सकते हैं और छात्र प्रभावशीलता को बढ़ाता है और कक्षा से बाहर सीखने को प्रोत्साहित करता है।

हाइब्रिड लर्निंग तकनीक को आमने-सामने सीखने के साथ मिलाता है और शिक्षण सीखने और मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक प्रेरक और उत्तेजक बनाता है। पारंपरिक शिक्षा के साथ ऑनलाइन सीखने के सम्मिश्रण की रणनीति का उपयोग छात्रों की विविध शिक्षण शैलियों को समायोजित करने

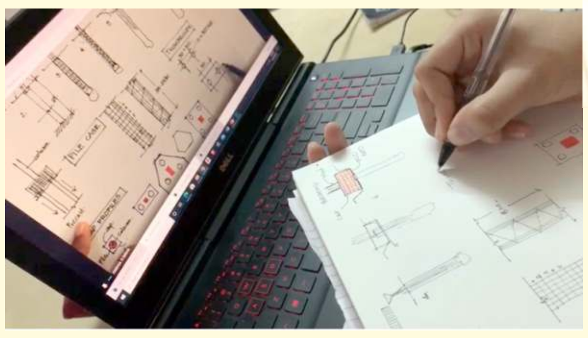

सीखने को अधिकतम करने के लिए एक ऑनलाइन परीक्षा, प्रश्नोत्तरी प्रदान कर सकते हैं।
4. फैकल्टी पाठ्यक्रम के उद्देश्य को बेहतर ढंग से प्राप्त कर सकते हैं और वास्तविक समय में ऑनलाइन पाठ्यक्रम कार्य का मूल्यांकन कर सकते हैं।
5. ऑनलाइन टेस्ट में भाग लेने से, क्विज़ छात्रों के सॉफ्ट स्किल्स, प्रॉब्लम एनालिसिस एटीट्यूड में सुधार करते हैं।
6. आमने-सामने सीखने के अलावा, इन-क्लास गतिविधियों जैसे, समूह प्रस्तुति, ऑनलाइन सर्वेक्षण शिक्षण सीखने की और उन्हें कॉलेज के घंटों से परे काम करने में सक्षम बनाने के लिए किया जाता है, जो कि पूर्णकालिक पारंपरिक कक्षा शिक्षा के साथ अक्सर संभव नहीं होता है।

आर्किटेक्चर और इंटीरियर डिजाइन कोर्स ने हाइब्रिड मॉडल के फायदे दिखाए हैं। हाइब्रिड सिस्टम के कारण कई छात्रों ने अपने कौशल में उल्लेखनीय सुधार दिखाया है। अधिक जानकारी के लिए आप संस्थान की वेबसाइट tsap.mumbai.in पर जा सकते हैं।

देव प्रयाग में पूज्य मोरारी बापू द्वारा होगा रामकथा का गान

पुण्यसलिला अलकनंदा एवं भागीरथी नदियों की संगम स्थली तथा जगततारिणी माँ गंगा की जन्मभूमि, पंच प्रयागों में से एक-देवप्रयाग में मोरारी बापू द्वारा कोरोना नियमों के पूर्ण पालन के साथ, सीमित संख्या में - पूर्व आमंत्रित श्रोताओं के साथ, आयोजित होने जा रही ८६१वीं राम कथा का पतंजलि सेवाश्रम, देवप्रयाग , उत्तराखंड से सीधा प्रसारण होगा-१९ जून २०२१, सायं ४ से ६ और २० से २७ जून २०२१, प्रातः १० से १ बजे तक। व्यासपीठ के सभी श्रोता एवं रामकथा के भावकों कोआस्था चेनल या यू ट्यूब के माध्यम से कथा का लाइव प्रसारण का लाभ मिल पायेगा। कृपया कथा में प्रत्यक्ष रुप में जाने के बारे में कोई किसी से पूछताछ न करें, क्योंकि आयोजक की तरफ से सिमीत संख्या में निश्चित श्रोताओं को निमंत्रण भेजे जा चूके है।

जय सियाराम।

पुना अग्नि दुर्घटना एवं बंगाल की बिजली दुर्घटना से पीडित परिवारों को मोरारी बापू द्वारा सहायता

पुना की सेनेटाइजर फेक्ट्री में आग लग जाने से कल, १८ व्यक्ति की मृत्यु हो गयी। इन तमाम हतभागी लोगों के परिवारों को चित्रकूटधाम, तलगाजरडा के श्रीहनुमानजी महाराज की प्रसादी और पूज्य बापू की ओर से सांत्वना के रुप में प्रत्येक पीडित परिवार को पांच पांच हजार रुपये की अर्थ सहायता घोषित की गई है। इस के अलावा कल ही दक्षिण-पश्चिम बंगाल के तीन जनपद में बीजली गीरने से २० लोगों की मृत्यु हो गयी। इन प्रत्येक पीड़ित परिवारों को भी पांच पांच हजार रुपये की सहायता बापू द्वारा दी जायेगी। इन दोनों दूर्घटनाओं में चल बसें मृतात्माओं के परिवारों के लिए कूल १,९०,००० की धनराशि भेज दी गयी है, जो पुना और कोलकता के व्यासपीठ के श्रोता प्रत्यक्ष जा कर पीडित परिवारों को पहूँचाएंगे।

जय सियाराम।

अब संगठित होकर जवाब देना ही विकल्प हे

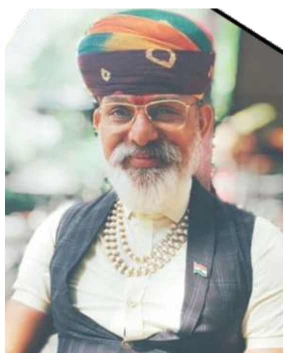

मैंने #सूखी हुई #शाखों पर #लहु छिड़का हैं,,,,
#स्वाभिमान अब भी नहीं जगा तो #कयामत होगी,,,

जैसा कि आप सभी जानते हैं, निस्वार्थ भाव से हर पीड़ित व जरूरतमंद की मदद करने व न्याय की आवाज का पर्याय बने #राज_शेखावत जी का सामाजिक वर्चस्व व युवाओं के हृदय में स्थान बढ़ता ही जा रहा है। शेखावत जी के प्रति लोगों के बढ़ते प्रेम को मौजूदा #गुजरातसरकार पचा नहीं पा रही है, और #शेखावतजी के मनोबल को कमजोर करने व #समाजकीआवाज को दबाने के लिए गुजरात सरकार राज शेखावत जी को #आर्थिकनुकसान पहुंचा कर कमजोर करने जैसे #घृणितकृत्य पर उतर आई है।

हमें समझने की आवश्यकता है कि यदि इस निस्वार्थ व्यक्ति की आवाज दबाने में सरकार कामयाब हो गयी तो ऐसा समाज पर मर मिटने वाला व्यक्तित्व हमें नहीं मिल पाएगा और ना ही कोई दूसरा सक्षम व्यक्ति न्याय के लिए खड़ा होने की हिम्मत कर पाएगा।

इसलिए,
#अबयेलड़ाईराजशेखावतजीकी नाहोकरहमसबकीबनगयी_है।

अब समय आ गया है कि हम समाज की ताकत सरकार को महसूस करवा दें।

अतः ताकत की एक झलक दिखाने के लिए जल्द ही सौराष्ट्र की पावन धरा पर #न्यायमहासम्मेलन का आयोजन करने जा रहे हैं।

लुवारा गांव की बेटी को न्याय दिलाने व वडोदरा NBC के बेरोजगार युवाओं की आवाज भी इसी मंच से बुलंद करेंगे।

इस संदर्भ में राज शेखावत जी व उनकी टीम गांव-गांव, हर तहसील,हर जिले, हर विधान सभा में जाकर लोगों को जागृत करने का कार्य करेंगे।

अतः आप सभी तैयार हो जाएं दमनकारी नीतियों के विरुद्ध आवाज बुलंद करने के लिए।

पश्चिम रेलवे पर लोकल ट्रेनों की बढ़ेगी स्पीड! सुधरेगी हार्बर लाइन की ट्रेनों की गति

मुंबई, पश्चिम रेलवे में लोकल ट्रेनों की गति में इजाफा होने वाला है, क्योंकि हाल ही में रेलवे द्वारा गति को बाधित करने वाली संरचनाओं को सुधारा गया है। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक आलोक कंसल द्वारा लक्षित तरीके से परिचालन बाधाओं को दूर करने पर बल दिया जा रहा है। कंसल आधारभूत संरचना के अपग्रेडेशन की परियोजनाओं की मॉनिटरिंग करने के साथ ही मंडलों को इस प्रकार के काम को तेजी से पूरा करने पर जोर दे रहे हैं।

ठाकुर ने बताया कि माहिम में तीन स्टेबलिंग लाइनों के निर्माण से तीन 12 डिब्बा ईएमयू रेक को स्टेबल किया जा सकता है। स्टैब्लिंग लाइन का मतलब है लोकल ट्रेनों को पार्क करने को जगह। ये बांद्रा की ओर जाने वाली ईएमयू सेवाओं को स्टेबलिंग लाइन से निकालने और स्टेबलिंग लाइन में वापस लाने में सहायक होगा।

सुधरेगी हार्बर लाइन की ट्रेनों की गति

स्थायी गति प्रतिबंधों में छूट से माहिम के दक्षिण दिशा में डाउन हार्बर लाइन पर ट्रेनों की गति 35 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 50 किमी प्रति घंटा हुई है, जबकि माहिम के उत्तरी यार्ड में अप हार्बर लाइन पर गति 20 किमी प्रति घंटे से बढ़ाकर 35 किमी प्रति घंटा हो गई है। इससे ट्रेनों की समयपालनता प्रति ट्रेन 2 मिनट तक बढ़ गई है।

कांदिवली में इंटरलॉकिंग की सुविधा

पश्चिम रेलवे ने कांदिवली स्टेशन पर लीफ गेट नंबर 31 की इंटरलॉकिंग ट्रेनों की सुरक्षित और सुचारू आवाजाही को सुनिश्चित करने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। इससे कांदिवली कार-शेड में वेहिकल मूवमेंट के लिए सुरक्षित गलियारा मिलेगा साथ ही यह एसटीए लाइन पर ट्रेन परिचालन को सुरक्षित बनायेगा।

मुंबई में अगले 48 घंटे घनघोर बारिश का अंदेशा, ऑरेंज अलर्ट, पुलिस- प्रशासन सतर्क

मुंबई, मौसम विभाग ने आगामी दो दिनों तक मुंबई और ठाणे में भारी बारिश का संकेत देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। रत्नागिरि, रायगढ़ और आसपास सोमवार तक रेड अलर्ट है। इस दौरान तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अनुमान है। बीएमसी के आपदा प्रबंधन विभाग ने अलर्ट को देखते हुए अपनी सभी मशीनरियों और अन्य राहत एजेंसियों को अलर्ट मोड पर रखा है। मुंबई और आसपास के उपनगरीय इलाकों में शनिवार को तेज हवाओं और बिजली कड़कने के साथ भारी बारिश हुई, जिससे कई स्थानों पर सड़कों पर जलभराव हो गया। इसके चलते बेस्ट को कुछ मार्गो पर बसें परिवर्तित करनी पड़ी। लोकल ट्रेन सेवाएं कुछ हद तक प्रभावित हुईं। क्षेत्रीय मौसम विभाग की मौसम अधिकारी शुभांगी भुते ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर बना है, जिससे वेस्टरली विंड प्रबल हुई है।

इससे अगले दो दिनों के लिए मुंबई और ठाणे में ऑरेंज अलर्ट, जबकि रायगड और रत्नागिरी में रेड अलर्ट जारी किया गया है। मुंबई से सटे पालघर में भी सोमवार तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़ और रत्नागिरी जिलों के कुछ स्थानों पर बिजली कड़कने और तेज हवा के साथ भारी बारिश होने का अनुमान है। लगातार बारिश ने तोड़ा रेकॉर्ड मुंबई के पूर्व और पश्चिम उपनगरों में मूसलाधार बारिश ने रेकॉर्ड तोड़ दिया है। आईएमडी के मुताबिक कुलाबा वेदर स्टेशन में 11 जून तक 337 मिमी बारिश और सांताक्रुज वेदर स्टेशन पर 641.3 मिमी बारिश दर्ज हुई है।

नितिन गडकरी का नकली भाई कर्नाटक से गिरफ्तार, लाखों की ठगी का आरोप

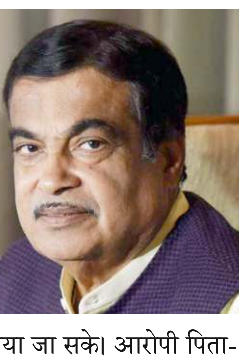

मुंबई, मुंबई से सटे डोंबिवली इलाके की पुलिस ने एक ऐसे पिता पुत्र को गिरफ्तार किया है। जो खुद को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का रिश्तेदार बताते थे और इसी बहाने इन दोनों ने कई लोगों को लाखों रुपए का चूना लगाया। डोंबिवली की विष्णु नगर पुलिस ने इन दोनों को कर्नाटक से गिरफ्तार किया है।

यह दोनों आरोपी लोगों को सरकारी नौकरी और सस्ते दाम पर गोल्ड दिलवाने के बात कह कर लोगों को फंसाते थे। इसके बाद पैसा नहीं लौटाते थे। गिरफ्तार आरोपी पिता का नाम राजन गडकरी है। जबकि बेटे का नाम आनंद गडकरी है। आरोपियों ने अपनी बहू को भी नहीं छोड़ा और उसके खिलाफ भी साजिश रची ताकि उसे फंसाया जा सके। आरोपी पिता-पुत्र बहु के चार साल के बेटे और अपने नाती को लेकर फरार हो गए। जिसके बाद बहू ने पुलिस स्टेशन में पूरा मामला बताया।

बहु को छोड़ परिवार फरार

जब लोगों को पता चला कि गडकरी परिवार में उसके उनके साथ हुई ठगी की है तो लोगों ने अपने पैसे वापस मांगे शुरू किया जिसके बाद गडकरी परिवार डोंबिवली से फरार हो गया लेकिन वह अपनी बहू को यही छोड़ कर चले गए। बहु गीतांजलि ने अपने 4 साल के बेटे को वापस हासिल करने के लिए पुलिस से गुहार लगाई। गीतांजलि ने पुलिस को बताया कि उसके ही बैंक अकाउंट से उसके पति और ससुर ने सारी ट्रांजैक्शन किये हैं। कैसे हुई कार्रवाई गीतांजलि के बयान के बाद पुलिस ने पीड़ित अतुल पलसमकर की शिकायत ले आधार पर मामला दर्ज किया। गीतांजलि ने अपने पति और ससुर की सारी कारस्तानी पुलिस के सामने बयां कर दी। पुलिस ने भी उसे गवाह बनाए जाने का भरोसा दिया। तब जाकर आरोपियों की गिरफ्तारी हो पाई। बहू लगातार पुलिस अपने बेटे को वापस दिलाने और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग करती रही।

परमबीर को 15 जून तक गिरफ्तारी से अंतरिम राहत

मुंबई, गुरुवार को मुंबई पुलिस के पूर्व आयुक्त परमबीर सिंह को उनके खिलाफ एससी/ एसटी (अत्याचार रोकथाम) अधिनियम के तहत दर्ज मामले में एक बार फिर राहत मिल गई। राज्य सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील डेरियस खंबाटा ने कहा कि पुलिस परमबीर को 15 जून तक गिरफ्तार नहीं करेगी। परमबीर ने राज्य सरकार की ओर से उनके खिलाफ शुरू की गई दो अन्य जांच को चुनौती देते हुए एक अन्य याचिका दायर की है। अदालत 14 जून को इस याचिका पर भी सुनवाई करेगी। जांच संबंधी पहला आदेश एक अप्रैल को राज्य के तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख ने अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियमों के कथित उल्लंघन को लेकर पारित किया गया था। दूसरा आदेश 20 अप्रैल को परमबीर के खिलाफ अत्याचार अधिनियम के तहत दर्ज एफआईआर घाडगे द्वारा दायर एक शिकायत पर आधारित है। घाडगे वर्तमान में अकोला में तैनात है। घाडगे ने परमबीर और अन्य अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के कई आरोप लगाए हैं। घाडगे ने प्राथमिकी में आरोप लगाया है कि जब परमबीर ठाणे में तैनात थे, उस समय उन्होंने एक मामले से कुछ लोगों के नाम हटाने को लेकर उन पर दबाव डाला और जब उन्होंने इनकार कर दिया, तो आईपीएस अधिकारी ने उन्हें झूठे मामलों में फंसा दिया। एफआईआर भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार रोकथाम) कानून के प्रावधानों के तहत दर्ज की गई है।

KAANT FOODS®

Manufacturer of Khakhra & Dry Bhakri in Various Flavor

Khakhra & Dry Bhakri is a thin cracker common in the Gujarati and Rajasthani cuisines of western India, especially among Jains. It is made from mat bean, wheat flour and oil. It is served usually during breakfast. Khakhras are individually hand-made and roasted to provide a crunchy and healthy snack that can be enjoyed with a selection of spicy pickles and sweet chutneys.

20, 1st Floor, Sarvodaya Soceity, Opp. Hotel Oasis, Nr. Umiya Dham Temple, Surat-395006. Gujarat, India.
Email : kaantfoods@gmail.com Mob : 9825770072
Web : www.kaantfoods.com

॥ श्री ગણેશાય નમઃ ॥ ॥ શ્રી૧ ॥ ॥ જય ખોડીયાર માં ॥

Chintan Jiyani 99040 77991

Kishan Kyada 99040 77990

Jay Kuber CONSULTANCY

- PERSONAL LOAN
- CONSUMER LOAN
- HOME LOAN
- MORTGAGE LOAN
- CAR LOAN
- MUDRA LOAN
- INSURANCE
- PANCARD

jaykuber1997@gmail.com

D-2080, 2nd Floor, Central Bazar, opp Varachha Police Station, Minibazar, Varachha, Surat

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।